वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2006-2007

वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशक मंडल की वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report of the Board of Directors for the year 2006-2007

प्रिय शेयरधारकों,

31 मार्च 2007 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र और लाभ हानि लेखों के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता हो रही है.

1.000 प्रबंधन विचार-विमर्श एवं विश्लेषण

1.100 स्थूल आर्थिक विकास

1.101 2004-05 के बाद के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था अपने सकल घरेलू उत्पाद की दर को 7.5% से उपर बनाए रखते हुए अपनी आर्थिक मजबूती को पुनः प्रतिपादित कर रही है. वृद्धि की यह दर 2006-07 हेतु सीएसओ के अग्रिम अनुमानों के अनुसार 9.2% के आसपास अपेक्षित है. औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्र विकास की इस प्रक्रिया के बडे घटक रहे हैं. देश की विदेशी मुद्रा आरक्षितियां 200 बिलियन अमेरिकी डालर के सुदृढ़ स्तर तक पहुंच चुकी हैं. पूंजी बाजार में विदेशी निवेशक संस्थाओं के निरंतर अंतर प्रवाह तथा निगमित क्षेत्र के शानदार निष्पादन के दोहरे संगम से मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का आंकडा 10000 अंकों के स्तर को पार करके वर्ष के दौरान 14,652 अंकों के स्तर तक जा पहुंचा. हालांकि, समय-समय पर विभिन्न महत्त्वपूर्ण घटनाओं के कारण इसमें गिरावट भी आई. स्वर्ण की कीमतें वर्ष भर मजबूत बनी रहीं.

1.102 विकास की यह गति जहां एक ओर अर्थव्यवस्था हेतु शुभ संकेत थी वहीं दूसरी ओर तेल की घरेलू कीमतों को कम करने के बावजूद मुद्रास्फीति का दबाव विनियामक एवं वित्तीय प्राधिकारियों दोनों के लिए चिंता का मुख्य कारण बना रहा, विशेषतः वर्ष की अंतिम तिमाही में. गत वर्षों की मुद्रास्फीति अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों से प्रभावित होती थी जबकि इस बार इसमें आपूर्ति के कमजोर पक्ष का योगदान प्रमुख था. राजकोषीय तथा मौद्रिक प्राधिकारियों ने वर्ष के द्वितीय भाग में इसके नियंत्रण हेतु तत्काल आवश्यक कदम उठाए.

1.200 भारतीय रिजर्व बैंक का वार्षिक नीति वक्तव्य :

1.201 वित्तीय वर्ष 2006-07 के आरंभ में भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी वार्षिक नीति के वक्तव्य में अपने मौद्रिक उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए यह संकेत दिया था कि एक ऐसा मौद्रिक एवं ब्याज दर आधारित वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा जिससे कि विकास की गति की दर निरंतर बनी रहे तथा साथ ही मूल्य स्थिरता भी और मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावनाओं की किसी भी परिस्थितियों में तत्काल अपेक्षित कार्रवाई की जा सके ताकि अर्थव्यवस्था में निवेशों की मांग और निर्यातों के सहायतार्थ वित्तीय बाजार की परिस्थितियों एवं साख की गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके और स्थूल विकास की दर बनी रहे, विशेषतः वित्तीय स्थायित्त्व एवं वैश्विक गतिविधियों से तत्काल निपटने की क्षमता के साथ.

1.202 वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही हेतु वार्षिक नीति संबंधी वक्तव्य की समीक्षा करते समय भारतीय रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई मुद्रास्फीति

Dear Shareholders,

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account for the financial year ended March 31, 2007.

1.000 MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1.100 Macro-Economic Scenario

1.101 The period since 2004-05 had witnessed the Indian economy reasserting its strength by recording GDP growth at a rate over 7.5% with the growth for the year 2006-07 estimated at around 9.2%, as per advance estimates of CSO. Industrial and Service sectors had been the major drivers of this growth process. The country's foreign exchange reserves have gone upto over US $ 200 billion mark. The net FII inflow into capital market sector, coupled with excellent performance of the corporate sector led to the benchmark BSE Sensex emphatically breaching the 10,000 mark, to touch a level of 14,652 during the year. However, frequent corrections did take place, from time to time, in response to various events of significance. Bullion prices ruled hard throughout the year.

1.102 Alongside the growth that augured well for the economy, inflationary pressure, despite downwards adjustment of domestic fuel prices, remained a cause of concern particularly in the last quarter of the year, both for regulatory and fiscal authorities. Supply side constraints were the main contributory factor unlike the phenomenon observed in the previous years when the prices were predominantly affected by international oil prices. The scenario, particularly the second half of the fiscal saw swift responses both from the fiscal and monetary authorities to address this issue.

1.200 Annual Policy Statement of RBI:

1.201 The beginning of the fiscal 2006-07 saw the Reserve Bank of India announcing its monetary stance in its Annual Statement of Policy as one designed "To ensure a monetary and interest rate environment that enables continuation of the growth momentum consistent with price stability while being in readiness to act in a timely and prompt manner on any signs of evolving circumstances impinging on inflation expectations; to focus on credit quality and financial market conditions to support export and investment demand in the economy for maintaining macroeconomic, in particular, financial stability; and to respond swiftly to evolving global developments".

1.202 While reviewing the said Statement of Policy for the third quarter of the fiscal, the monetary regulator, in the wake of rising inflation in the economy, reoriented its

को स्वीकार करते हुए अपने मौद्रिक उद्देश्यों में आंशिक फेरबदल के साथ इन्हे मूल्य स्थायित्व की ओर मोडा और मुद्रास्फीति के दुष्प्रभावों पर ध्यान केन्द्रित किया ताकि अर्थव्यवस्था में निवेशों की मांग और निर्यातों की सहायतार्थ उपयुक्त मौद्रिक एवं ब्याज दर वातावरण सुनिश्चित किया जा सके और विकास की दर एवं गति निरंतर बनी रहे और साथ ही बैंक ने पूंजी बाजार की आदेशात्मक परिस्थितियों और साख की गुणवत्ता पर पुनः बल दिया ताकि स्थूल आर्थिक विकास सुरक्षित बना रहे, विशेषतः वित्तीय स्थायित्व. वित्तीय समावेशन तथा वृहद साख उपलब्धि दोनों हेतु बैंक ने साथ-साथ यह प्रयास किए जिससे कि संभावित मुद्रास्फीति के कारण घरेलू एवं वैश्विक स्तर पर आने वाले किसी भी परिवर्तन का सभी संभव उपायों के साथ सामना किया जा सके और विकास की दर पर इसका कोई प्रभाव न पडे.

1.203 वर्ष के दौरान मौद्रिक नीतियों पर अर्थव्यवस्था में बढ़ रही मुद्रास्फीति की प्रवृत्तियों का भारी प्रभाव पडा. मौद्रिक विनियामक के मूल्यांकन में मांग एवं आपूर्ति दोनों ही घटक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालने हेतु जिम्मेदार रहे, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण बढ़ती हुई कीमतें हैं. बदलते परिदृश्य के मद्देनजर वर्ष के दौरान दो चरणों में आरक्षित नकदी निधि अनुपात को, वर्ष के उत्तरार्ध में 5% से 6% तथा (आगे अप्रैल 2007 में 6.5%) तक बढ़ाया गया, जबकि एल.ए.एफ. के तहत विपरीत रेपो दर को वर्षान्त में चरणों में बढ़ाकर 7.75% कर दिया गया जो वर्षारंभ में 6.50% थी.

1.300 ब्याज दरों में घट-बढ़

1.301 इस वर्ष ब्याज दरों में भी तीव्र वृद्धि देखी गई. बैंकों की जमाराशियों एवं अग्रिमों दोनों की ब्याज दरों में व्यापक वृद्धि हुई. वर्ष के दौरान, 5 वर्ष की सावधि जमा राशियों पर ब्याज की जो दर 6% -6.5% थी वह बढ़कर 9% से 9.5% तक जा पहुंची. बैंकों की बेन्चमार्क न्यूनतम मूल उधार दर में भी 150 से 200 तक के आधार अंकों की वृद्धि हुई. खुदरा ऋणों विशेषतः आवासीय ऋणों पर बढ़ी हुई ब्याज दरों की भारी मार पडी. इस क्षेत्र में आस्ति गुणवत्ता के कारण उत्पन्न चिंता ने भी ब्याज दरों के बढ़ने में अपना योगदान दिया.

1.400 बैंकिंग उद्योग प्रवृत्तियां :

1.401 वर्ष 2005-2006 की 18.10% की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2006-07 के दौरान सभी बैंकों की समग्र जमाराशियों में 23% की वृद्धि हुई. जमा संग्रहण में हुई इस वृद्धि की तुलना में बैंको की साख में अर्थव्यवस्था में आई तेजी के कारण 27.6% की वृद्धि हुई जो गत वर्ष 30.80% थी. यद्दपि बैंक की न्यूनतम मूल उधार दर से कम दरों वाले ऋण बैंक के कुल ऋणों एवं अग्रिमों में काफी मात्रा में बने रहे लेकिन वर्ष 2006-07 के दौरान इनकी नई स्वीकृतियों में गिरावट दर्ज हुई.

1.402 भूसंपदा की कीमतों सहित संपत्तियों की कीमतों में हुई भारी वृद्धि तथा आस्ति गुणवत्ता की दोहरी चिंता ने विनियामक को पूंजी बाजार तथा भूसंपदा क्षेत्र को ऋण सुविधाओं पर विवेकपूर्ण नियम लागू करने हेतु बाध्य किया तथा जोखिम के नियमों एवं पूंजी आवंटन की आवश्यकताओं को उच्च जोखिम आधारित अवधारणाओं में समाहित किया गया.

1.403 वर्ष के अंतिम भाग में विनियामक ने नई पूंजी पर्याप्तता की समय सीमा के केलेंडर में परिवर्तन करते हुए उसके अनुपालन की समय सीमा को

monetary stance to reinforce the emphasis on price stability and well-anchored inflation expectations while ensuring a monetary and interest rate environment that supported export and investment demand in the economy so as to enable continuation of the growth momentum; re-emphasised on credit quality and orderly conditions in financial markets for securing macroeconomic and, in particular, financial stability while simultaneously pursuing greater credit penetration and financial inclusion; and to respond swiftly with all possible measures as appropriate to the evolving global and domestic situation impinging on inflation expectations and the growth momentum.

1.203 The conduct of the monetary policy during the year was therefore largely influenced by inflationary tendencies in the economy. The regulator had in response to the evolving scenario increased the Cash Reserve Ratio, in two phases, during the second half of the year, from 5% to 6% (and further to 6.5% in April 2007) while the fixed repo rate under LAF went up from 6.50% at the beginning of the year to 7.75% by the end of the year in phases.

1.300 Movement of Interest Rates

1.301 The year witnessed a firm north bound journey of interest rates. Both, deposits & advances witnessed steep rise in Interest rates, in the Banking system. The rates on deposits saw frequent hikes that had peaked to around 9% to 9.5% for 5 year tenor, as compared to a low of around 6% to 6.5% for the similar tenor, during the year. Benchmark Prime Lending Rates of banks also increased by around 150 to 200 basis points. Retail loans, particularly under the housing segment bore the brunt of the increase in interest rates. Concerns on asset quality in this segment also contributed to hardening of interest rates.

1.400 Banking Industry Trends:

1.401 The aggregate deposits of the banking system registered a growth of 23% during the year as against 18.10% achieved during the previous year. Bank credit, in the light by robust economic growth, however, increased higher by 27.6% sequencing the growth of 30.80% posted during the previous year. Though sub-BPLR loans continued to form a sizeable part of bank loans & advances, the year 2006-07 saw a falling share of fresh sanctions under sub-BPLR.

1.402 Rising asset prices, particularly those of the real estates, coupled with concerns on asset quality led the regulator to bring in prudential norms on capital market and real estate exposures, in terms of stringencies on exposures as well as capital allocation requirements by way of higher risk weight and higher provisioning prescriptions.

1.403 A significant step taken by the Regulator towards 2nd half of the year was to reschedule the calendar for

वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2006-2007

बढ़ाया, जो बासेल-II नियमों के नाम से ज्यादा प्रचलित हैं. जो बैंक अन्य बैंकों के मुकाबले अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत हैं उनके लिए यह संशोधित केलेंडर मार्च 2008 से तथा अन्य बैंकों पर एक वर्ष की छूट के साथ मार्च 2009 से लागू होगा.

2.000 बैंक का कारोबारी निष्पादन

2.100 कारोबार संमिश्र

2.101 बैंक ने गत वर्ष के अपने कुल कारोबार संमिश्र रु. 38,370.85 करोड़ की तुलना में 20.85% की वृद्धि करते हुए वर्षांत में अपने कुल कारोबार संमिश्र को रु. 46,372.98 करोड़ तक पहुंचाया.

2.102 बैंक की कुल जमाराशियां गत वर्ष के रु. 23,623.06 करोड़ की तुलना में वर्षांत में बढ़कर रु. 27,689.91 करोड़ हो गईं जो 17.22% की वृद्धि दर्शाती हैं.

2.103 बैंक के सकल अग्रिम गत वर्ष के रु. 14,747.79 करोड़ से बढ़कर वर्षांत में रु. 18,683.07 करोड़ हो गए जो 26.68% की वृद्धि दर्शाते हैं.

2.104 बैंक के कुल कारोबार संमिश्र का गत दो वर्षों का संयोजन इस प्रकार है :

adherence to the new capital adequacy framework, more popularly known as Basel II norms. The revised calendar now runs from March 2008 for banks that are internationally active and gives one year leverage to other banks i.e. upto March 2009.

2.000 BUSINESS PERFORMANCE OF THE BANK

2.100 **Business Mix**

2.101 The Business Mix of the Bank reached to a level of Rs. 46,372.98 Crs. as at the end of the year, registering a growth of 20.85% over the level of Rs. 38,370.85 Crs. as at the end of previous year.

2.102 Deposits had grown by Rs. 4,066.85 Crs., during the year, to Rs. 27,689.91 Crs., representing a growth of 17.22 % over the level of Rs 23,623.06 Crs. as at the end of previous year.

2.103 Gross Advances of the Bank increased at a higher rate of 26.68 % to reach a level of Rs. 18,683.07 Crs. as compared to a level of Rs. 14,747.79 Crs. as at the end of March 2006.

2.104 The composition of Total Business Mix of the Bank for the last two years is as under:

(रु. करोड़ में) (Rs. in Crs.)

31 मार्च को कारोबार संमिश्र Business Mix as at 31st March	**2006**	**2007**
कुल जमाराशियां Total Deposits	23623.06	27689.91
कुल अग्रिम Total Advances	14747.79	18683.07
कुल कारोबार संमिश्र Total Business Mix	38370.85	46372.98

2.200 जमा संग्रहण

2.201 वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 4066.85 करोड़ की जमाराशियां संग्रहित कीं. विभिन्न क्षेत्रों में जमाराशियों में गत वर्ष से तुलनात्मक स्थिति इस प्रकार है.

2.200 **Deposit Mobilisation**

2.201 The Bank had mobilized Deposits worth Rs. 4,066.85 Crs. during the year. A comparative position of mobilization of deposits vis-à-vis previous year, under various segments is as under:

(रु. करोड़ में) (Rs. in Crs.)

जमाराशि Category	**31 मार्च 2006 को** As on March 31, 2006		**31 मार्च 2007 को** As on March 31, 2007	
	Amount	% **जमाराशियों** % to Total Deposits	Amount	% **जमाराशियों** % to Total Deposits
चालू Current	2380.56	10.08%	3281.26	11.85
बचत Saving	7930.63	33.57%	9043.59	32.66
सावधि Term	13311.87	56.35%	15365.06	55.49
कुल जमाराशि Total Deposits	23623.06	100.00%	27689.91	100.00

2.202 31 मार्च 2006 के 43.65% की तुलना में कम लागत वाली जमाराशियों का भाग 86 आधार अंक बढ़कर 31 मार्च 2007 को 44.51% हो गया

2.203 घरेलू आवधिक जमाराशियों पर ब्याज दरों में वृद्धि के बावजूद कम लागत वाली जमाराशियों के हिस्से को बढ़ाने के अपने जोरदार प्रयासों के

2.202 The share of Low Cost Deposits to Total Deposits improved by 86 bps to 44.51% as on March 31, 2007 as compared to 43.65% as on March 31, 2006.

2.203 The aggressive efforts to increase the share of low cost deposits helped the Bank to control its cost of

कारण बैंक को अपनी जमाराशियों की लागत पर नियंत्रण रखने में सहायता मिली है. जमाराशियों की औसत लागत जो वित्तीय वर्ष 2004-05 में 4.85% थी तथा वर्ष 2005-06 में 4.58% थी वह वर्ष 2006-07 के लिए 4.89% रही.

2.300 साख वितरण :

बैंक ने वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों तथा मुख्यत: आवासीय ऋणों सहित रिटेल क्षेत्र को साख के प्रवाह को सरल बनाने पर बल दिया जिसके फलस्वरुप बैंक के सकल अग्रिमों में रु. 3935.28 करोड़ की वृद्धि हुई है. वर्ष के दौरान यह वृद्धि 26.68% की है. 31 मार्च 2006 को बैंक के सकल अग्रिम 14747.79 करोड़ थे जो 31 मार्च 2007 को बढ़कर रु. 18683.07 करोड़ हो गए. बैंक के निवल अग्रिम जो 31 मार्च 2006 को रु. 14231.24 करोड़ थे वो 31 मार्च 2007 को बढ़कर रु. 18,303.39 करोड़ हो गए जो 28.61% की वृद्धि दर्शाते हैं.

2.400 खुदरा साख :

2.401 बैंक की खुदरा बैंकिंग की 9 योजनाएं है, जिनसे ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है. बजार के परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए इन योजनाओं में समय-समय पर संशोधन किया जाता है, तथा संशोधन के समय ग्राहकों की आवश्यकताओं तथा क्षेत्र कार्यकताओं द्वारा प्रदत्त फीड बैक का भी ध्यान रखा जाता है. व्यापक प्रचार के माध्यम से खुदरा बैंकिंग योजनाओं को लोकप्रिय बनाने के सघन प्रयास किए गए.

2.402 **योजनाओं का परिमार्जन :**

बैक की रिटेल ऋण योजनाओं यथा देना ऑटो वित्त तथा बंधक वित्त योजना में भी ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन किए गए हैं ताकि इन्हे और प्रतियोगी बनाया जा सके. प्रतियोगिता में आस्ति गुणवत्ता को बनाए रखने हेतु बैंक ने प्रीमियम आवास ऋण खाता भी आरंभ किया है जिसमें यदि आवास ऋण का उधारकर्ता अपने ऋण के पुनर्भुगतान में प्रथम पांच वर्षों में नियमित रहता है तो उसे अन्य सुविधाएं एवं राहत भी दी जाएगी.

2.403 फिनमार्ट :

बैंक के देश के 32 केन्द्रों पर 48 फिनमार्ट तथा मुंबई में एक केन्द्रीय प्रसंस्करण केन्द्र कार्यरत हैं. फिनमार्ट शाखा के भीतर ही एक शाखा के रूप में, खुदरा बैंकिंग बुटीक के स्वरूप में कार्यरत हैं तथा एक ही छत के नीचे न्यूनतम समय में केन्द्रीय एकल खिडकी सुपुर्दगी के तहत विभिन्न खुदरा साख उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं.

2.404 **संस्थानों के साथ गठजोड :**

रिटेल ग्राहकों कीं संख्या बढाने के दृष्टिकोण से बैंक ने एयर इंडिया, आई सी आर आई तथा आई आई पी एम के साथ देना विद्यालक्ष्मी शैक्षणिक ऋण योजना के अंतर्गत शैक्षणिक ऋणों के लिए गठजोड व्यवस्था की है. आगे, बैंक ने विभिन्न संस्थानों / विभागों के साथ भी उनके कर्मचारियों हेतु व्यक्तिगत ऋण तथा उपभोक्ता वस्तुओं के लिए ऋण स्वीकृत करने के लिए भी गठजोड़ व्यवस्थाएं की हैं.

इन नव नवोन्मेष तथा सघन प्रयासों के परिणामस्वरूप बैंक के खुदरा साख पोर्टफोलियो में गुणात्मक उछाल आया है तथा खुदरा साख के कुल अतिशेषों

deposits despite the increase in interest rates on domestic term deposits. The Average Cost of Deposits was 4.89% for the financial year 2006-07 against 4.58% for the financial year 2005-06 and 4.85% for the financial year 2004-05.

2.300 Credit Dispensation

The Bank had laid emphasis on smoother flow of credit to the productive sectors of economy and retail credit, led by housing loans, during the year. Resultantly, Gross Advances of the Bank had increased by Rs. 3,935.28 Crs. or 26.68% during the year moving from Rs 14,747.79 Crs. as on March 31, 2006 to Rs. 18,683.07 Crs. as on March 31, 2007. The Net Advances had increased from Rs. 14,231.24 Crs. as on March 31, 2006 to Rs. 18,303.39 Crs. as on March 31, 2007, representing an increase of 28.61%.

2.400 **Retail Credit**

2.401 The Bank has floated 9 Retail Credit Schemes, designed to cater to divergent needs of retail customers. The schemes are modified from time to time keeping in view the market scenario, change in customers' requirements / preferences and feed-back from field functionaries etc. Concerted efforts were made to popularize the schemes through extensive publicity.

2.402 **Refinement of Schemes**

Retail loan schemes viz. Dena Auto Finance & Mortgage Finance etc. were suitably modified to match with the customers' needs and preferences as also to give a competitive edge. Blending the asset quality with a competitive edge, the Bank introduced 'Premium Housing Loan Scheme', whereby add-on facilities and concessions were allowable in case of regular repayments by the borrowers, for the initial five years.

2.403 **FinMarts**

The Bank had operationalised 48 FinMarts covering 32 centers across the country and one Central Processing Centre (CPC) at Mumbai. The FinMarts are retail banking boutiques operating as a branch within a branch and provide all retail credit products under one roof with reduced turnaround time while CPC facilitates centralized single window delivery of retail products with faster turnaround.

2.404 **Tie-up with Institutions**

With a view to tap a cluster of retail customers, the Bank had entered into tie-up arrangements for education loans under bank's 'Dena Vidyalaxmi Education Loan Scheme' with Air India, ICRI & IIPM. The Bank had also entered into tie-up arrangement with various other institutions / bodies, for providing Personal and Consumer Durables Loans to their staff.

A focused approach led by new initiatives and aggressive thrust resulted in a quantum jump of 52.20%

में 52.20% की वृद्धि हुई और ये वर्षांत में रु. 1174 करोड़ की वृद्धि के साथ बढ़कर रु. 3423 करोड़ के स्तर पर पहुंच गए. खुदरा क्षेत्र में उधारकर्ताओं की संख्या वर्ष के दौरान 12713 बढ़कर 93645 हो गई. वर्ष के दौरान खुदरा साख के विकास में देना निवास, देना बंधक, देना रेन्ट, देना विद्यालक्ष्मी तथा देना ऑटो वित्त योजनाओं का विशेष योगदान रहा है.

2.405 **प्रत्यक्ष आवास ऋण :**
वर्ष के दौरान योजना के अंतर्गत रु. 443.30 करोड़ के नए ऋण संवितरण किए गए. 31 मार्च, 2006 को योजना के अंतर्गत अतिशेष रु. 1075 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2007 को रु. 1433 करोड़ हो गए जो 33.30% की वृद्धि दर्शाते हैं.

2.406 **शैक्षणिक ऋण :** शैक्षणिक ऋण योजना के अंतर्गत अतिशेष में रु. 57 करोड़ अर्थात 54% की वृद्धि हुई तथा ये रु. 105 करोड़ से बढ़कर रु. 162 करोड़ हो गए.

2.500 प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम :

2.501 प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण प्रदान करने के साथ बैंक अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निरंतर निर्वहन कर रहा है. कृषि क्षेत्र को ऋण प्रवाह 3 वर्षों के भीतर दुगुना करने की सरकार की नीति के अनुसरण में बैंक ने कृषि क्षेत्र पर विशेष बल देते हुए प्राथमिकता क्षेत्र के विविध क्षेत्रों को ऋण प्रवाह बढ़ानें के उद्देश्य से वर्ष के दौरान बहु आयामी रणनीतियां अपनाई हैं.

मार्च 2006 के रु. 6073.86 करोड़ की तुलना में बैंक के प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिम मार्च 2007 के अग्रिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को बढ़कर रु. 7,629.03 करोड़ तक पहुंच गए. भा.रि. बैंक के निर्धारित 40% के न्यूनतम स्तर के समक्ष प्राथमिकता क्षेत्र में बैंक का निवल साख अनुपात 42.03% रहा.

2.502 **कृषि उधार :**
सरकार के कृषि उधार पैकेज के अनुसरण में बैंक कृषि क्षेत्र को ऋण प्रवाह बढ़ाने के लगातार उपाय कर रहा है, जो कि देश की जनसंख्या के लगभग दो तिहाई भाग का प्रत्यक्ष या परोक्ष रुप से मुख्य व्यवसाय है. बैंक अपने कृषि वित्तीय परिचालनों को, नई नीतियां अपनाते हुए, वर्तमान नीतियों को संशोधित करते हुए तथा विशेषतः कृषक समुदाय की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु त्वरित उत्पाद तैयार करते हुए, लगातार नया स्वरूप प्रदान कर रहा है.

वर्ष के दौरान कृषि उधार मार्च 2006 के रु. 2362.61 करोड़ के स्तर से बढ़कर मार्च 2007 में रु. 3344.70 करोड़ तक पहुंच गया, जो 41.57% की वृद्धि दर्शाता है. बैंक के निवल उधार के समक्ष कृषि बकाया उधार का अनुपात 18.43% था.

2.503 **विशेष कृषि साख योजना के अंतर्गत प्रगति :** सरकारी नीति की घोषणा के अनुसरण में बैंक कृषि क्षेत्र को साख प्रवाह के 30% वृद्धिशील लक्ष्यों को निरंतर हासिल करता आ रहा है. मार्च 2007 को समाप्त वर्ष के दौरान रु. 1175 करोड़ के लक्ष्य के सामने कृषि क्षेत्र को रु. 1315.40

in the retail credit portfolio, showing an increase of Rs. 1,174 Crs. to reach the level of Rs. 3,423 Crs. as at the end of the year. A net of 12713 retail borrowers were added to the Bank's fold during the year, taking the total tally to 93645, as at the end of year. Popular schemes viz. Dena Niwas (Housing), Dena Mortgage, Dena Rent, Dena Vidyalaxmi & Dena Auto Finance Schemes had mainly contributed in the growth of retail credit during the year.

2.405 **Direct Housing Finance**

Fresh disbursements to the tune of Rs. 443.30 Crs. were made during the year, under the scheme, enabling net increase in outstanding credit from Rs. 1,075 Crs. as on March 06 to Rs.1433 Crs. as at the end of the year, thus reflecting a growth of 33.30%.

2.406 Educational Loan

Outstanding under the Educational Loan Scheme, increased from Rs.105 Crs. to Rs.162 Crs. as at the end of the year i.e. an increase of Rs.57 Crs. or 54%.

2.500 Advances to Priority Sector:

2.501 The Bank has been consistently fulfilling its social obligations in respect of priority sector lending. The Bank had adopted multi pronged strategies during the year, to augment credit flow to various segments of priority sector with special thrust on agriculture, in tune with Government's policy of doubling the credit flow to agriculture in a span of 3 years.

Priority Sector Advances of the Bank increased from the level of Rs. 6,073.86 Crs. as of March, 2006 to Rs. 7629.03 Crs. as on last reporting Friday of March, 2007. The ratio of priority sector advances to net bank credit stood at 42.03% as of March, 2007 against the regulatory guidelines of 40%.

2.502 **Lending to Agriculture**

In line with the Government's Farm Credit Package, the Bank has been continuously taking necessary measures to step up the flow of credit to agriculture. The Bank has constantly been revamping its agriculture financing operations by adopting fresh policy initiatives, modifying the existing policies and formulating product lines specifically suited to the needs of the farming community.

During the year, the outstanding under agriculture credit increased from the level of Rs. 2,362.61 Crs. as on March, 2006 to Rs. 3,344.70 Crs. as at the end of the year, representing a growth of 41.57%. The outstanding exposure under agriculture credit represented 18.43% of Net Bank Credit.

2.503 Progress under Special Agricultural Credit Plan

The Bank has consistently been surpassing the 30% target for incremental flow of credit to agriculture, in line with the Government's policy announcement. During the year ended March, 2007, the disbursements in agriculture

करोड़ का संवितरण किया गया, जो विविध कृषि साख योजनाओं के तहत लगभग 40000 नए किसानों को लाभ पहुंचाने के साथ-साथ 45% की वृद्धि तथा 112% की उपलब्धि दर्शाता है.

2.504 देना किसान क्रेडिट कार्ड :

वर्ष 1998-99 में, किसानों को झंझटमुक्त लघु अवधि के ऋण उपलब्ध कराने हेतु सरकार द्वारा आरंभ की गई इस योजना को बैंक द्वारा और संशोधित किया गया तथा इसमें और अतिरिक्त लाभ जोडे गए ताकि इसे और अधिक कृषक मित्रवत बनाया जा सके. वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 223.56 करोड़ के 29437 किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जारी किए हैं, जिससे वर्ष के अंत में बैंक द्वारा जारी किए गए किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या 1,08,265 तथा ऋण विस्तार रु. 710.63 करोड़ हो गया है.

2.505 **सूक्ष्म सिंचाई पद्धति (एम आई एस) के अंतर्गत प्रगति**

सिंचाई क्षेत्र का विस्तार करने के लिए गुजरात सरकार ने सूक्ष्म सिंचाई पद्धति अपनाने के लिए भारी सब्सिडी वाली एक साख योजना की घोषणा की है. इस योजना को मै. गुजरात ग्रीन रिवोल्यूशन कंपनी लि. के साथ मिलकर कार्यान्वित किया जा रहा है. इस योजना के कार्यान्वयन में बैंक अपनी सक्रिय भागीदारी कर रहा है और किसानों को सूक्ष्म सिंचाई पद्धति अपनाने के लिए ऋण स्वीकृत कर रहा है. उक्त योजना के तहत बैंक ने 1769 आवेदनों पर रु. 28.85 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया है.

2.506 **भारत सरकार की 2% ब्याज राहत योजना के तहत किसानों को राहत.**

बजट घोषणाओं के भाग के रूप में भारत सरकार ने यह घोषित किया है कि खरीफ / रबी 2006-07 के लिए किसानों द्वारा लिए गए फसल ऋणों पर रु. तीन लाख तक के मूलधन पर ब्याज दरों में 2% की ब्याज राहत दी जाएगी. इसके अनुपालन में योजना के प्रावधानों के अनुसार पात्र किसानों के एक लाख से भी ज्यादा उत्पादन साख खातों में रु. 9.18 करोड़ की कुल ब्याज राहत जमा की गई.

2.507 **किसान क्लबों की स्थापना :**

बैंक, गांवों में किसान क्लबों की स्थापना में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है ताकि किसानों को आपसी विचार-विमर्श हेतु एकत्रित होने के लाभ के साथ ही नव-नवोन्मेषी कृषि तकनीकों के बारे में जागृत किया जा सके. यह अनुभव अत्यंत उत्साहवर्द्धक है, किसान बहुत ही उत्साही है तथा अपनी कृषि आय बढ़ाने के लिए खेती की उन्नत प्रक्रियाओं वाले पैकेज के बारे में सीखने के लिए बहुत रूचि ले रहे हैं. बैंक ने वर्ष के दौरान 167 नए किसान क्लबों की स्थापना में सहायता प्रदान की है जिससे वर्षांत में इनकी कुल संख्या 784 हो गई है.

2.508 **स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को वित्तीयन :**

स्वयं सहायता समूहों (एस एच जी) तथा अन्य सूक्ष्म मध्यवर्त्तियों की स्थापना करवाना तथा उन्हें बैंक साख के साथ संबंद्ध करना बैंक के कार्यकलापों के निरंतर केन्द्र में रहा है. वर्तमान वर्ष के दौरान 2078 नए स्वयं सहायता समूहों

amounted to Rs. 1,315.40 Crs. against the set out target of Rs. 1,175 Crs., representing 112% achievement and a growth of 45% inter-alia benefiting around 40000 new farmers under various agricultural credit schemes.

2.504 Dena Kisan Credit Cards

The scheme introduced in the year 1998-99 by Government of India to provide hassle free short term credit to farmers was further improved by the Bank so as to make it more farmer friendly by introducing additional benefits. The Bank had issued 29,437 Kisan Credit Cards (KCCs) involving an outlay of Rs. 223.56 Crs. during the year, taking the total tally of KCCs to 1,08,265 involving an outstanding credit of Rs.710.63 Crs., as at the end of the year.

2.505 Progress under Micro Irrigation Systems (MIS):

In order to enlarge the area under irrigation, the Govt. of Gujarat had announced a massive subsidy linked credit scheme for installation of MIS. The scheme is being implemented in association with M/s Gujarat Green Revolution Company Ltd. The Bank has actively been participating in the implementation process by financing farmers for installation of micro irrigation systems. The Bank had sanctioned 1769 applications aggregating Rs. 28.85 Crs. under the said scheme.

2.506 Relief to Farmers under Govt of India's 2% interest Relief Scheme:

As a part of Budget announcement, GoI had announced a grant of relief @ 2% in the interest rate on the principal amount up to Rs.3 lakh on crop loans availed by the farmers for kharif / rabi 2006-07.

In compliance thereof, an aggregate interest relief of Rs. 9.18 Crs. was credited in more than one lac production credit accounts of eligible farmers as per the provisions of the scheme.

2.507 Formation of Farmers' Clubs:

The Bank has been playing a pro-active role in formation of farmers' clubs (FCs) at the villages to promote awareness on new and innovative farming techniques amongst farmers; besides facilitating an informal voluntary gathering for sharing common interests. It has been an encouraging experience for the bank, with an increasing numbers of farmers coming forward and enthusiastically participating in this knowledge building process for overall development of agriculture. The Bank had facilitated formation of 167 new FCs during the year, taking the total tally to 784 by the end of the year.

2.508 Financing to Self Help Groups (SHGs) :

Promoting and linking Self Help Groups (SHGs) and other Micro Finance Intermediaries (MFIs) with Bank credit continued to be thrust area of the Bank. During the current year 2,078 new SHGs were credit linked covering

को रु. 13.09 करोड़ की साख के साथ संबंद्ध किया गया. बैंक द्वारा साख के साथ संबंद्ध किए गए स्वयं सहायता समूहों की संचयी संख्या वर्षांत में बढ़कर 4768 हो गई है तथा साख का विस्तार रु. 28.04 करोड़ हो गया है.

2.509 **महिलाओं को ऋण प्रवाह :**

मार्च 2006 के रु. 498.03 करोड़ के स्तर की तुलना में महिलाओं को ऋण प्रवाह का स्तर वर्षांत में बढ़कर रु. 694.81 करोड़ हो गया है, जिस से इसमें 39.51% की वृद्धि दर्ज हुई है.

महिला उद्यमियों को ऋण प्रवाह और तीव्र बनाने के क्रम में बैंक ने महिलाओं के लिए एक घोषणा पत्र (चार्टर) तैयार किया है तथा बैंक के कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही महिला कक्ष की नियमित बैठकों में आवश्यक उपायों पर कार्यान्वयन किया जा रहा है. महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता लाने के लिए बैंक ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए.

2.510 **कमजोर वर्गों को अग्रिम :**

प्रथमिकता क्षेत्र में हो रहे विकास के साथ-साथ कमजोर वर्गों को अग्रिमों में भी वृद्धि हुई है. मार्च 2006 में इन अग्रिमों का स्तर रु. 648.75 करोड़ था जो मार्च 2007 में बढ़कर 904.07 करोड़ हो गया जो 39.35% की वृद्धि दर्शाता है.

2.511 **अनुसूचित जाति/जनजाति को अग्रिम :**

प्राथमिकता क्षेत्र के भीतर अ.जा./ज.जा. को अग्रिमों का कुल स्तर मार्च 2006 में 224.64 करोड़ था जो मार्च 2007 में बढ़कर रु. 294.39 करोड़ हो गया, जो 31.04% की वृद्धि दर्शाता है. इस क्षेत्र में मांग के समक्ष वसूली 57.93% रही है.

2.512 **सी.जी.टी.एस.आई. योजना के अंतर्गत व्याप्ति :**

लघु सूक्ष्म उद्यमियों को वित्तीयन को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक लघु उद्योगों हेतु साख गारंटी निधि न्यास का सदस्य बन गया है, ताकि उन्हे संपार्श्विक मुक्त ऋण प्रदान किए जा सकें. वर्षांत में रु. 27.75 करोड़ के 962 मामलों को इस योजना के तहत कवर किया गया है.

2.513 **स्वर्ण जयंती ग्रामीण आवास वित्तीयन योजना (जी.जे.आर.एच.एफ.एस)** ग्रामीण क्षेत्रों में रिहायशी इकाइयों को वित्तपोषण करने के उद्देश्य से बैंक स्व.ज.ग्रा.आ.वि. योजना का कार्यान्वयन कर रहा है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस क्षेत्र में बैंक की उपलब्धियां लक्ष्यों के 105.55% तक रहीं.

2.514 **सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाएं**

गरीबी उन्मूलन एवं स्वरोजगार निर्माण के उद्देश्य वाली सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैंक संपूर्ण निष्ठा से प्रयास कर रहा है. बैंक ने वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री रोजगार योजना (पी.एम.आर.वाई.) के 3,480 लाभार्थियों को रु. 20.81 करोड़ तथा स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एस.जी.एस.वाई.) के तहत 4,181 लाभार्थियों को रु. 20.06 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए हैं.

an outlay of Rs. 13.09 Crs. The cumulative number of SHGs credit linked by the bank increased to 4,768 as at the end of the year involving an outlay of Rs. 28.04 Crs.

2.509 Credit Flow to Women

The aggregate credit flow to women had increased from Rs. 498.03 Crs. as of March 2006 to a level of Rs 694.81 Crs. as at the end of the year, representing a growth of 39.51%.

In order to further augment the flow of credit to women entrepreneurs, the Bank had brought out a "Charter for Women" and had been implementing necessary measures evolved during the course of regular meetings of the Women Cell being held under the Chairmanship of Executive Director of the Bank. With a view to create awareness on women empowerment, the Bank had organised a number of events on the International Women's Day.

2.510 Advances to weaker section

Consistent with the growth in priority sector advances, the advances to the weaker section increased from the level of Rs. 648.75 Crs. as of March, 2006 to Rs. 904.07 Crs. as of March, 2007, representing a growth of 39.35%.

2.511 Advances to SCs / STs

The aggregate level of advances to SC/ST, within the priority sector increased from the level of Rs. 224.64 Crs. as of March, 2006 to Rs. 294.39 Crs. as of March, 2007, showing a growth of 31.04%. The recovery to demand under the segment stood at 57.93%.

2.512 Coverage under CGTSI scheme:

The Bank has been participating in the Credit Guarantee Fund Trust for Small Industries Scheme (CGSTI) to provide collateral free loans to small and micro-enterprises. The total number of cases covered under the scheme stood at 962 with a guarantee cover of Rs. 27.75 Crs., as at the end of the year.

2.513 Golden Jubilee Rural Housing Finance Scheme (GJRHFS)

In order to promote financing of dwelling units in rural areas, the Bank has been implementing GJRHFS. The Bank had achieved the target to the extent of 105.55 % under the scheme, during the year.

2.514 Government Sponsored Schemes

The Bank continues to make earnest efforts to implement government sponsored schemes aimed at eradication of poverty and for generating self employment. The Bank had sanctioned loans to 3,480 beneficiaries under Prime Minister's Rozgar Yojana (PMRY) amounting to Rs. 20.81 Crs. and also granted loans to 4,181 beneficiaries under Swaranjayanti Gram Swarozgar Yojana (SGSY) to the tune of Rs. 20.06 Crs., during the year.

2.515 **वित्तीय समावेशन :**

2.5151 **देना भूमिहीन किसान क्रेडिट कार्ड :** भूमिहीन मजदूरों, फसलों के भागीदारों, मौखिक पट्टाधारियों तथा किराएदार कृषकों आदि के लिए बैंक ने एक विशेष योजना आरंभ की है जिसमें विविध कृषि तथा सम्बद्ध गतिविधियों के लिए उपभोग के प्रावधान सहित रु. 25000/- तक की साख सुविधाएं स्वीकृत की जाती हैं. योजना में लाभार्थियों को रु. 25000/- तक के दुर्घटना बीमा का लाभ भी मिलता है. नए किसानों को किए गए वित्त पोषण में किराएदार कृषकों, मौखिक पट्टाधारियों/फसलों के भागीदारों आदि लाभार्थियों का हिस्सा 3% से भी अधिक है.

2.5152 **देना सामान्य क्रेडिट कार्ड योजना (डीजीसीसी)**

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुपालन में बैंक सामान्य क्रेडिट कार्ड आरंभ करने वाला प्रथम बैंक है. बैंक ने जनवरी 2006 में इस योजना का आरंभ ग्रामीण तथा अर्ध शहरी क्षेत्रों के अपने ग्राहकों के लिए किया था जिसके तहत साख के अंतिम उपयोग, उद्देश्य तथा प्रतिभूति पर जोर दिए बिना झंझटमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है.

पुनर्भुगतान की क्षमता के आधार पर ओवरड्राफ्ट के रूप में रु. 25000/- तक की साख सुविधा इसमें स्वीकृत की जाती है. बैंक ऐसे उधारकर्ताओं का रु. 25000/- तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा अपने खर्चे पर लेता है. इसके अतिरिक्त महिला लाभार्थियों के लिए रियायती ब्याज दर का भी प्रावधान है. उधारकर्ताओं से ब्याज के अतिरिक्त और कोई शुल्क नहीं वसूला जाता. वर्ष के दौरान बैंक ने 3975 देना सामान्य क्रेडिट कार्ड जारी किए हैं.

2.516 **नई पहल :**

2.5161 **बायो मेट्रिक ए टी एम**

अपने ग्राहकों को तकनीक की सहायता से नवोन्मेषी सेवाएं प्रदान करने की परंपरा को जारी रखते हुए बैंक ने गुजरात में अपनी दो ग्रामीण शाखाओं बालवा और छाला में बायो मेट्रिक एटीएम की स्थापना की है. बैक गुजरात राज्य में बायो मेट्रिक एटीएम लगाने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का प्रथम बैंक बन गया है. एटीएम किसानों से उन्ही की भाषा में बात करता है तथा उनके लेन-देनों हेतु उन्हें मार्गदर्शन देता है. एकबारगी उंगलियों की छाप की तकनीक के प्रयोग से एटीएम लेन-देन सुविधा प्रदान करता है और इस प्रकार इसमें परंपरागत एटीएमों की तरह लंबी विषय सूची या पिन संख्या याद रखने की आवश्यकता नही रहती.

ग्रामीणों द्वारा बायो मेट्रिक एटीएम सुविधा का प्रयोग जनसंख्या के इस बडे हिस्से द्वारा तकनीक को अपनाने की शुरुआत के रुप में जाना जाएगा. बैंक के इन प्रयासों की राज्य सरकार द्वारा बहुत सराहना की गई है. बैंक की अन्य ग्रामीण / अर्ध शहरी शाखाओं में भी यह सुविधा आरंभ करने की योजना है.

2.5162 **ग्रामीण नवोन्मेषों को वित्त पोषण.**

भारत सरकार के विज्ञान एवं तकनीक विभाग द्वारा मार्च 2000 में अहमदाबाद में एक राष्ट्रीय नवोन्मेष प्रतिष्ठान (एन आई एफ) की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य आंरभिक स्तर पर लोगों के पास उपलब्ध एवं संरक्षित

2.515 Financial Inclusion:

2.5151 Dena Bhoomiheen Kisan Credit Card

The bank has introduced a special scheme for tenant farmers, oral lessees, share croppers, landless labourers etc. wherein a credit facility upto Rs. 25,000/- is granted for various agricultural and allied purposes with a provision for consumption loan as well. The scheme also provides accidental insurance cover to beneficiaries upto Rs.25000/-. The share of beneficiaries financed viz. tenant farmers, oral lessees/ share croppers etc. was more than **3%** of the new farmers financed during the year.

2.5152 Dena General Credit Card (DGCC) Scheme

The Bank was the first to launch General Credit Card in January 2006, in compliance to the guidelines issued by the Reserve Bank of India for providing hassle free finance in rural and Semi-Urban areas without insisting on security, purpose and end use of the credit.

The facility in the form of overdraft limits upto Rs. 25000/- is sanctioned based on the repaying capacity of the customer. The Bank, at its cost, takes personal accidental insurance cover for such borrowers upto Rs. 25000/-. Besides, there is provision for concessional rate of interest for women beneficiaries. No other charges are recovered from the borrowers. The Bank had issued 3,975 DGCC cards during the year.

2.516 New Initiatives

2.5161 Bio Metric ATMs

Continuing with its tradition of providing innovative services to its customers with the help of latest technology, the Bank had launched Bio-metric ATMs at its Balwa and Chhala, both rural branches in Gujarat. The Bank enjoys the distinction of being the 1st Public Sector Bank to introduce bio-metric ATM in the State of Gujarat. The ATM talks to the farmers in their local language, gently guiding them to carry out their transactions. The ATM has a simple One-Touch transaction facility using the finger print technology, thus eliminating the need to remember the PIN or going through rather complex menu screens of a traditional ATM.

The ease of usage of Bio-metric ATM by the rural folk will mark a beginning of adoption of technology among this majority segment of the populace. The efforts of the Bank have been well appreciated by the State Govt. Bank plans to introduce this facility in other rural/ semi-urban branches of the Bank.

2.5162 Financing Rural Innovations

National Innovation Foundation (NIF) is a society which had been setup by the Department of Science and Technology, Government of India at Ahmedabad in March, 2000. The society aims at recognising, respecting

असाधारण पारंपरिक ज्ञान तथा नई खोजों को मान्यता प्रदान करते हुए उनका आदर करना और उन्हे पुरस्कृत करना है. नई खोजों के व्यावसायीकरण हेतु वित्तपोषण करने के लिए बैंक ने रा. न. प्र. से सहयोग स्थापित किया है.

उपरोक्त के अनुसरण में बैंक ने श्री इरफान आलम द्वारा शोध किए गए और तैयार किए गए ''सम्मान"" नामक नवोन्मेषी साईकल रिक्शा प्रोजेक्ट का वित्तपोषण किया है. इस योजना का शुभारंभ बिहार के माननीय मुख्य मंत्री द्वारा पटना में दिनांक 25 जनवरी 2007 को किया गया तथा लगभग 100 साइकिल रिक्शाओं को एक नई आनन्दमयी यात्रा हेतु हरी झंडी दिखाकर सड़क पर रवाना किया. स्थानीय लोगों ने आदरपूर्ण भावनाओं से इस घटना की सराहना की. ऐसे उद्यमों/नवोन्मेषों को प्रोत्साहित करने में बैंक हमेशा ही सक्रिय रहा है जिनसे आय प्राप्ति वाले स्वरोजगार बढ़ें

2.5163 **देना स्वच्छ ग्राम योजना :**

गांव के लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बैंक ने एक ऐसी योजना आरंभ की है जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय एवं स्नानघरों के निर्माण हेतु संपार्श्विक प्रतिभूति पर जोर दिए बिना, रियायती ब्याज दरों पर रु. 10,000/- तक का वित्त उपलब्ध कराया जाएगा. ग्रामीण लोगों को शौचालयों के लाभ समझाने तथा उन्हे प्राथमिक सुविधाओं के प्रयोग हेतु प्रेरित करने तथा बेहतर रहन-सहन हेतु परिवर्तनों को स्वीकार करने के लिए शिक्षित बनाने के उद्देश्य में ग्राम पंचायतों तथा गैर सराकरी संगठनों की सहायता भी ली जा रही है. वर्ष के दौरान इस योजना में 498 परिवारों को वित्त उपलब्ध कराया गया.

2.5164 **देना पर्यावरण सुरक्षा योजना :**

बैंक ने एक और विशेष योजना आरंभ की है जिसके अंतर्गत ऑटो रिक्शा मालिकों को पुरानी ऑटो रिक्शाओं में सी.एन.जी./एल.पी.जी गैस किट लगवाने के लिए रु. 25000/- तक का ऋण स्वीकृत किया जाता है, ताकि पर्यावरण में वायु प्रदूषण पर काबू पाया जा सके. बैंक ने वर्ष के दौरान 908 ऑटो रिक्शा मालिकों को इस योजना के तहत वित्त पोषित किया है.

2.517 **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व**

2.5171 **ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार संस्थान (रूडसेटी)**

देना बैंक ने एक 'देना ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान' की स्थापना की है, जिसने गुजरात राज्य के भुज एवं महेसाणा जिलों में, 2005 के दौरान दो रूडसेटी की स्थापना की है. ये रूडसेटी बेरोजगार ग्रामीण युवाओं तथा महिलाओं को क्षमता निर्माम हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं ताकि वे अपने स्वरोजगार के उपक्रम चलाने हेतु सक्षम बन सकें. इन रूडसेटी द्वारा अब तक 1984 ग्रामीण युवाओं / महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है. प्रशिक्षुओं का निपटान अनुपात दोनो रूडसेटी का 53% रहा है.

2.5172 **बालिकाओं की शिक्षा को प्रायोजित करना**

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के एक भाग के रूप में बैंक ने एक अभिनव योजना ''देना लक्ष्मी शिक्षा प्रोत्साहन योजना'' का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत बैंक अपने सेवा क्षेत्र के गांवों की छोटी बालिकाओं की शिक्षा को प्रायोजित करेगा. इस योजना के तहत बैंक गुजरात राज्य तथा केन्द्र शासित

and rewarding innovations and outstanding traditional knowledge possessed & nurtured by the people at the grass root. The Bank has associated itself with the foundation for financing innovators to facilitate commercialization of their innovations.

In pursuance of the above**,** the Bank had financed an innovative Cycle Rickshaw Project named as 'Samman', conceived & ventured by Sh. Irfan Alam. The project was launched by the Hon'ble Chief Minister of Bihar at Patna on 25th January, 2007, with about 100 cycle rickshaws having been flagged off on to the roads for an innovative and joyful journey. The event evoked a spirited response from the local populace. The Bank has been proactive in supporting such ventures / initiatives resulting into gainful self employment.

2.5163 Dena Swachchh Gram Yojana

In order to encourage hygienic living in the village habitats, the bank had launched a scheme named as 'Dena Swachchh Gram Yojna', whereby finance upto a limit of Rs. 10,000 is extended for construction of toilets and bathrooms in rural areas at concessional rate of interest, without insisting on collateral security or third party guarantee. Help of NGOs / Gram Panchayats is taken in educating the rural people about the benefits of use of these basic amenities and thus motivating them to accept the change for better living conditions. 498 households were financed by the bank under this scheme during the year.

2.5164 Dena Paryavaran Suraksha Yojana

A special scheme, enabling finance to auto rickshaw owners for acquiring and fitting CNG/ LPG gas kit in old auto rickshaws as a measure to curb environmental air pollution, was introduced by the Bank, during the year. The Bank had financed 908 auto rickshaw owners under the scheme during the year.

2.517 Corporate Social Responsibilities

2.5171 Rural Development & Self Employment Training Institute (RUDSETIs)

The Bank had set up a society viz. Dena Rural Development Foundation which in turn had set up 2 RUDSETIs at Bhuj and Mehsana in the State of Gujarat during 2005. The RUDSETIs are imparting training to unemployed rural youth and women for capacity building so as to enable them to setup self employment ventures. Over 1984 rural youth/women have already been imparted training by these RUDSETIs. The settlement ratio of the trainees of both the RUDSETIs was 53%.

2.5172 Sponsoring Education of Girl Child

As a part of Corporate Social Responsibility, the Bank had introduced a novel scheme viz. Dena Laxmi Shiksha Protsahan Yojana to sponsor education of Girl Child in the villages served by the Bank. The scheme aims at providing a scholarship of Rs 1000/- per annum to one

प्रदेश दादरा नगर एवं हवेली की अपनी शाखाओं के कमान क्षेत्र में आने वाले स्कूलों में से ऐसी बालिकाओं की पहचान करते हुए उनकी शिक्षा के लिए रू. 1000/- प्रति वर्ष का प्रावधान करेगा जिन्होने कक्षा 7 में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों तथा जो गरीबी रेखा से नीचे के परिवार से हों. उक्त योजना के तहत बैंक ने अब तक 521 बालिकाओं को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई है.

2.5173 **किसानों को प्रशिक्षण :**

कृषि जगत में हो रहे अद्यतन तकनीकी विकासों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से बैंक अपने उधारकर्ता किसानों के प्रशिक्षण हेतु कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर व्यवस्था कर रहा है.

2.5174 **ग्राम अंगीकरण**

गुजरात राज्य, जहां बैंक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एस एल बी सी) का संयोजक है, में बैक ने संपूर्म ग्राम विकास के उद्देश्य से, 51 गांवों को अंगीकृत किया है. बैंक नाबार्ड के साथ मिलकर अपनी गतिविधियों को और विस्तृत बनाने के प्रयास कर रहा है.

2.518 **संसदीय समितियों के दौरे**

वर्ष के दौरान विभिन्न संसदीय समितियों यथा 'कार्मिक, लोकशिकायत, कानून एवं न्याय', 'लोकशिकायत एवं अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति', 'महिला सशक्तिकरण', 'एसएमई, एसएसआई, केवीआईएस, कृषि ग्रामीण एवं सूक्ष्म उद्यमियों को साख प्रवाह', 'शहरी विकास', 'राजभाषा पर प्रारुप एवं साक्ष्य समिति', सरकारी आश्वासनों पर राज्य सभा समिति, 'उद्योगों पर विभाग से संबद्ध स्थायी समिति', तथा 'राजभाषा की तीसरी उप समिति' ने बैंक के कार्य निष्पादन की समीक्षा की तथा संबंधित मुद्दों पर बैंक के प्रबंधन तंत्र के साथ विचार-विमर्श किया.

2.519 **राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति उत्तरदायित्व**

बैंक गुजरात राज्य में तथा केन्द्र शासित प्रदेश दादरा एवं नागर हवेली में स्वयं को प्राप्त क्रमशः राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति तथा यूटीएलबीसी के संयोजन संबंधी उत्तरदायित्वों का सफलता पूर्वक निर्वहन कर रहा है.

गुजरात में आई बाढ़ के समय देना बैंक ने रा.स्त.बैं.स. के संयोजक की भूमिका के रूप में गुजरात भर में और विशेष रूप से सूरत में बाढ़ ग्रस्त व्यक्तियों / व्यावसायिक इकाईयों को राहत एवं पुर्नवास संबंधी कार्य में अग्रणी की भूमिका निभाई. बैंक के इन प्रयासों की भारत सरकार के माननीय वित्त एवं बैंकिंग राज्य मंत्री द्वारा काफी सराहना की गई. रा.स्त.बैं.स. के नेतृत्व में बाढ़ग्रस्त व्यक्तियों की इकाइयों के पुर्नवास हेतु सभी बैंकों ने कुल 15097 खातों में रु. 187.49 करोड़ की सहायता उपलब्ध कराई.

2.520 **रा.स्त.बैं.स. द्वारा संपूर्ण वित्तीय समावेशन हेतु गुजरात में प्रारंभिक जिले का चयन:**

भारतीय रिजर्व बैंक के अप्रैल 2006 के वार्षिक नीति वक्तव्य में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार रा.स्त.बैं.स. गुजरात ने गुजरात में गांधीनगर जिले

identified girl student belonging to Below Poverty Line (BPL) family, to be selected from each of the schools based on the highest marks secured in 7th Standard, from the villages under the command area of the Bank in the State of Gujarat and Union Territory of Dadra Nagar & Haveli,. The Bank has so far provided scholarship to 521 children under the scheme.

2.5173 Training to Farmers

In order to acquaint /empower the farmers with latest technological developments / knowledge in the field of agriculture, the Bank has been arranging training programmes to its farmer borrowers in association with Agricultural Universities.

2.5174 Village Adoption

51 Villages have been adopted by the Bank for bringing about total village development in the State of Gujarat, where the Bank is Convenor for State Level Bankers' Committee (SLBC). The Bank aims to broad-base the financial activities in association with NABARD.

2.518 Visit of the Parliamentary Committees

The Parliamentary Committees on 'Personnel, Public Grievances, Law & Justice', 'Public Grievances & Appointment on Compassionate Grounds', 'Women empowerment', 'Credit flow to SME, SSI, KVIS, Agro-rural & Micro enterprises', 'Urban Development', 'Drafts & evidence Committee on Rajbhasha', 'Rajya Sabha Committee on Government Assurances', 'Department related standing committee on Industry' and '3rd Sub-committee on Rajbhasha' reviewed the performance of the Bank and held discussions with the management of the Bank on the relevant issues during the year.

2.519 State Level Bankers' Committee (SLBC) Responsibilities

The Bank has been successfully discharging its responsibilities as a Convener of SLBC for the State of Gujarat and also as convener of UTLBC for the Union Territory of Dadara & Nagar Haveli.

The Bank, playing the role as Convener for SLBC, had taken lead initiatives in providing relief and rehabilitation assistance to the flood affected persons/ business units in the state of Gujarat and more particularly in Surat. The efforts of the Bank have been well appreciated by the Hon'ble Minister of State for Finance & Banking, Government of India. An aggregate financial assistance of Rs. 187.49 Crs. was provided amongst 15097 accounts for rehabilitation of flood affected persons/ units by all the banks under the aegis of SLBC.

2.520 Selection of Pilot District in Gujarat for Total Financial Inclusion by SLBC

The SLBC for Gujarat State has selected Gandhinagar district in the state for 100 % financial inclusion in compliance to the guidelines in the Annual Policy

को 100% वित्तीय समावेशन के लिए चुना है. वित्तीय समावेशन में हुई प्रगति की रा.स्त.बैं.स. द्वारा निरंतर निगरानी की गई. बैंकों ने जिले में 34000 शर्तरहित खाते खोले हैं तथा 3000 से भी अधिक सामान्य क्रेडिट कार्ड जारी किए हैं. किए गए सर्वेक्षण से आगे यह भी पता चला है कि लगभग सभी पात्र एवं इच्छित व्यक्तियों को इस योजना में समाहित कर लिया गया है. प्राप्त अनुभवों के आधार पर यह प्रस्तावित किया गया है कि इस योजना को गुजरात के अन्य जिलों में भी लागू किया जाए.

2.521 **अग्रणी बैंक योजना**

बैंक देश के 13 जिलों में अग्रणी बैंक की भूमिका निभा रहा है जिनमें से 7 जिले गुजरात में, 5 जिले छत्तीसगढ़ में तथा एक केन्द्र शासित प्रदेश दादरा एवं नागर हवेली शामिल हैं.

2.522 **देना बैंक द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक:**

देना बैंक ने दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक प्रायोजित किए हैं जिनमें से एक छत्तीसगढ़ राज्य में 'दुर्ग राजनांदगांव ग्रामीण बैंक' के नाम से तथा दूसरा गुजरात राज्य में 'देना गुजरात ग्रामीण बैंक' के नाम से कार्यरत हैं.

इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कुल 232 शाखाएं हैं जो छत्तीसगढ़ के 3 तथा गुजरात के 6 जिलों में फैली हुई हैं. इनका कुल कारोबार संमिश्र मार्च 2006 के रु. 1,587 करोड़ के स्तर से 24.57% की वृद्धि के साथ मार्च 2007 में बढ़कर रु. 1,977 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है.

दु.रा.ग्रा. बैंक, जिसकी मार्च 2006 में संचित हानि रु. 6.86 करोड़ थी, ने वर्ष के दौरान शानदार कार्य निष्पादन करते हुए रु. 6.99 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया तथा वर्षांत में सभी संचित हानियों को समाप्त कर सका. यह निष्पादन इस दृष्टि से और भी उल्लेखनीय रहा कि बैंक ने पिछले वर्ष रु. 66 लाख का ही निवल लाभ दर्ज किया था. दु.रा.ग्रा. बैंक के लाभार्जन के साथ-साथ दोनों बैंकों का निवल लाभ गत वर्ष के रु. 14.45 करोड़ की तुलना में वर्ष के लिए रु. 14.27 करोड़ दर्ज किया गया. मार्च 2007 को दोनों बैंकों की आरक्षितियां एवं आधिक्य रु 43.35 करोड़ रहे.

2.600 **लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को अग्रिम**

भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र एक मुख्य क्षेत्र के रूप में बना रहा. भारत सरकार ने सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों को आगे बढ़ाने, उनका विकास करने और उनमें प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए जून 2006 में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 बनाया है. इस अधिनियम में सू.ल.एवं.म. उद्यम की नई परिभाषा दी गई है और इसके विकास की सहायतार्थ आधारभूत ढ़ांचे का भी उल्लेख किया गया है.

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में बैंक ने ल. एवं म.उ. क्षेत्र के विकास हेतु पहले से ही उठाए गए कदमों को और गति प्रदान की है तथा निम्नानुसार नए कदम भी उठाए हैं.

- वर्ष के दौरान 38 अतिरिक्त शाखाओं की ल. एवं म.उ. शाखा के रूप में पहचान की गई और इस प्रकार ल. एव म.उ. शाखाओं की कुल संख्या 78 हो गई है.

Statement of RBI issued in April 2006. The progress of financial inclusion was constantly being monitored by the SLBC. Various banks in the district had opened more than 34000 No Frill accounts and issued more than 3000 General Credit Cards. Further survey indicates that almost all eligible and willing persons have been covered under the scheme. Based on the experience gained, the scheme is proposed to be extended in other districts of Gujarat as well.

2.521 Lead Bank Scheme

The Bank plays a Lead role in 13 districts; covering 7 districts in Gujarat, 5 districts in Chhattishgarh and one in Union Territory of Dadra & Nagar Haveli.

2.522 Regional Rural Banks sponsored by the Bank

The Bank has sponsored two RRBs namely 'Durg Rajnandgaon Gramin Bank' (DRGB) in the State of Chhattisgarh and 'Dena Gujarat Gramin Bank' (DGGB) in the State of Gujarat.

These RRBs have a network of 232 branches spread over 3 districts of Chhattisgarh and 6 districts of Gujarat. Aggregate business mix of the RRBs stood at Rs.1978 Crs. as of March 2007, increased from the level of Rs.1587 Crs. as of March 2006, thus representing a growth of 24.64%.

DRGB that had an accumulated loss of Rs. 6.86 Crs. as at the end of March 06. Buoyed by an impressive performance during the year, having posted Net Profit of Rs. 6.99 Cr. the bank had been able to wipe off all the accumulated losses as at the end of the year. The performance was noteworthy, in view of the fact that the Bank had posted a net profit of Rs. 66 lacs only during the previous year. With DGGB continuing to earn net profit, the cumulative net profit of both the Gramin Banks for the year stood at Rs. 14.27 Crs. as compared to Rs. 11.45 Crs., posted during the previous year. The Reserves & Surpluses of both the Banks stood at Rs. 43.35 Crs. as of March 2007.

2.600 **Advances to SME Sector**

SME sector continued to be a key segment in the growth of Indian Economy. The Government of India had passed, the Micro Small & Medium Enterprises Development Act, 2006 (MSME Act, 2006) in June, 2006 for the promotion, development and enhancing competitiveness of MSME units. Besides defining the MSME units, supporting structures for facilitating growth of MSME have also been laid down under the said act.

In the light of the above enactment, the Bank had given further momentum to the steps already initiated to foster the flow of credit to SME units and had come out with few new initiatives as follows:

- 38 additional branches were identified as SME branches during the year, increasing the total tally of such branches to 78;

- लघु एवं मध्यम उद्यमियों को उनकी परियोजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन देने और उनकी साख आवश्यकताओं का आकलन करने एवं उन्हे सलाह मशविरा देने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों में एस.एम.ई. सहायता कक्षों को आरंभ किया गया है.
- बिजली की वर्तमान कमी से निपटने तथा ऊर्जा उत्पादन के वैकल्पिक स्त्रोतों के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उपायों के मद्देनजर पवन चक्कियों के वित्तीयन हेतु एक नई योजना आरंभ की गई है.
- हाल ही में गुजरात राज्य के भुज जिले में हथकरधा बुनकरों को भारत तथा भारत से बाहर आयोजित मेलों / प्रदर्शनियों में अपना सामान बेचने तथा भाग लेने हेतु साख सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से एक नई योजना आरंभ की गई है.
- चैनल वित्तीयन की वर्तमान योजना को और उदार बनाया गया है तथा इसमें आरसीबी के चैनल भागीदारों को शामिल किया गया है ताकि इसका लाभ उन सम्माननीय निगमित उधारकर्ता ग्राहकों को भी मिल सके जो अन्य बैंकों के ग्राहक हैं, तथा जो अभी तक हमारे बैंक के ही ग्राहक थे.
- स्मेरा के साथ साख मूल्यांकन तथा सिडबी के साथ इकाईयों के सह वित्तीयन के प्रबंधों सहित बैंक ल. एवं म. उद्यमियों को प्रोत्साहित करना जारी रखे हुए है.

उपरोक्त सभी उपायों के परिणामस्वरूप लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को साख में, भारत सरकार द्वारा निर्देशित 20% की विकास दर की तुलना में ल. एवं म.उ. अग्रिमों में 32.24% की वृद्धि हुई है. 31.03.2006 के रु. 2388 करोड़ के ल. एवं म.उ. को अग्रिम (व्यापार एवं सेवा क्षेत्र को अग्रिम सहित) बढकर वर्षांत में बढकर रु. 3158 करोड़ रुपये तक पहुंच गए है.

2.700 **निगमित साख :**

निगमित एवं संस्थागत उधारकर्ताओं पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए बैंक ने 40 शाखाओं की पहचान की है जिनमें विशेषीकृत मानवशक्ति तथा मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. निगमित एवं संस्थागत शाखाओं से प्राप्त बडे ऋण प्रस्तावों पर तुरंत निर्णय लेने के लिए द्वि-स्तरीय ढांचा तैयार किया गया है.

बैंक के उधारकर्ता खातों का समय पर पुर्ननिर्माण करने के लिए प्रधान कार्यालय में निगमित ऋण पुर्ननिर्माण कक्ष (सी.डी.आर.) की स्थापना की गई है.

साख निगरानी कक्ष प्रधान कार्यालय द्वारा प्रत्येक स्तर के साख अधिकारियों को यह ध्यानपूर्वक बताया गया है कि मानक उधारकर्ता खातों में चेतावनी के आरंभिक लक्षण देखते ही उनकी अलग पहचान, विश्लेषण तथा निगरानी करना सुनिश्चित करें.

3.000 निवेश संबंधी परिचालन

3.100 बैंक के सकल निवेश 31 मार्च 2006 के रु. 8635 करोड़ के स्तर से बढ़कर 31 मार्च 2007 को रु. 9325 करोड़ तक पहुंच गए. गत वर्ष के दौरान हुई 11% की कमी के मुकाबले इस वर्ष वृद्धि 8% की हुई. इसी प्रकार निवल निवेश भी 31 मार्च 2006 के 8571 करोड़ के स्तर से बढ़कर 31 मार्च 2007 को रु. 9235 करोड़ तक पहुंच गए, जो 7.75% की वृद्धि दर्शाते हैं.

- 'SME Help Desk' had been introduced at Regional Offices for providing counseling and guidance to SME Entrepreneurs on their projects and assessing their credit requirements;
- As a measure towards mitigating the prevalent power shortage, by encouraging entrepreneurship towards alternative sources of generating power, a new scheme for financing 'Wind Mills' had been introduced;
- A special scheme for extending credit assistance to the handloom weavers had been introduced in Bhuj district under Gujarat State, enabling them to participate in exhibitions/fairs held in India or abroad to exhibit/sell their art/creations;
- Channel Financing Scheme had been further liberalized to include the channel partners of reputed corporate borrowers (RCB) enjoying limits with other bank which was hitherto restricted to RCBs of our Bank only;
- The Bank continues to encourage SME units for interest incentives through its arrangement with SMERA for credit rating and with SIDBI for co-financing of units.

All these measures resulted in growth of SME credit by 32.24% as against 20% growth directed by Government of India. In absolute terms, the SME advances increased from Rs. 2,388 Crs. (Including advances to trade and services) as on March 2006 to Rs. 3,158 Crs. as at the end of the year.

2.700 Corporate Credit

The Bank had identified 40 branches for focused attention towards Corporate & Institutional borrowers, where specialized manpower & infrastructural facilities were provided. Two-tier structure was put in place for credit delivery at such branches for expeditious decision process.

Corporate Debt Restructuring (CDR) Cell had been established at HO to addresses timely restructuring of the borrowal accounts of the Bank.

Credit Monitoring Cell, established at Corporate Office remains actively engaged in monitoring and sensitizing the operational staff at every level for ensuring identification of early warning signals in the standard borrowal accounts for timely action and improvement in the asset quality.

3.000 INVESTMENT OPERATIONS

3.100 Gross Investments of the Bank increased from Rs. 8,635 Crs. as at March 31, 2006 to Rs. 9,325 Crs. as at March 31, 2007, thereby registering a growth of 8% as compared to a decline of 11% in the previous year. Net Investments also increased from Rs. 8,571 Crs. as at March 31, 2006 to Rs. 9,235 Crs. as at March 31, 2007, representing a growth of 7.75%.

3.101 सभी दिशाओं में प्रतिभूतियों पर परिपक्वता हेतु प्रतिफल बढ़ने सहित बाजार के परिदृश्य में एक गोचर परिवर्तन हुआ है जिसने प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य में गिरावट ला दी. उपरोक्त प्रतिकूल परिस्थितियों में इस क्षेत्र में लाभ कमाने के अवसर कम रहे और इसलिए बैंक गत वर्ष के रु. 125 करोड़ की तुलना में प्रतिभूतियों की बिक्री से रु. 39 करोड़ का लाभ ही अर्जित कर सका है.

3.102 प्रतिकूल बाजार परिस्थितियों के कारण निवेशों की बिक्री से प्राप्त लाभ सहित निवेश का औसत प्रतिफल 31 मार्च 2006 के 9.19% की तुलना में 31 मार्च 2007 को समाप्त वर्ष में कम हो कर 7.74% रह गया.

4.000 आय और व्यय

4.100 आय

4.101 बैंक की कुल आय वर्ष 2005-06 के रु. 2199.17 करोड़ के स्तर की तुलना में रु. 310.88 करोड़ या 14.14% बढ़कर रु. 2510.04 हो गई.

4.102 बैंक की ब्याज आय 20.36% की वृद्धि के साथ रु. 2118.52 करोड़ रही जबकि अन्य आय में 10.82% की कमी के कारण यह घट कर 391.82 करोड़ रही. अन्य आय में कमी का मुख्य कारण प्रतिभूतियों की बिक्री से प्राप्त रु 85.88 करोड़ का निम्न लाभ-स्तर तथा अतिरिक्त अचल सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त गत वर्ष के दौरान रु. 56.82 करोड़ का असाधारण लाभ रहा.

4.103 निगमित क्षेत्र की ओर से मूल उधार दर या उससे निम्न दर पर ऋण प्रदान करने हेतु दबाव के बावजूद अग्रिमों से प्राप्त आय में 41.32% की वृद्धि हुई. बैंक द्वारा उच्च आय वाले ऋणों तथा लघु तथा मध्यम उद्यम एवं रिटेल तथा कृषि आदि पर ध्यान केन्द्रित करने वाली रणनीति अपनाए जाने के कारण और बडे कॉर्पोरेट ऋणों के पुर्नमूल्यन के कारण यह संभव हो सका. यद्यपि प्रतिकूल बाजार परिस्थितियों के कारण निवेशों से प्राप्त ब्याज आय में 6.86% की कमी आई. यदि इन असाधारण मदों को छोड दिया जाए तो अन्य आय में 36.77% की वृद्धि हुई तथा यह रु. 257.38 करोड़ से बढकर रु. 352.02 करोड़ हो गई.

4.200 व्यय :

4.201 पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2006-07 के दौरान कुल व्यय में 17.25% की वृद्धि हुई. इसका मुख्य कारण परिचालनगत व्ययों का बढ़ना रहा जो 2005-06 के दौरान रु. 561.34 करोड़ से बढ़कर 2006-07 के दौरान रु. 611.51 करोड़ हो गए. बैंक द्वारा वर्ष के दौरान जमा राशियों की लागत में बढ़ोतरी होने से तरलता स्थिति के तंग बनने से ब्याज भुगतान की राशि बढी. वर्ष के अधिकांश समय में कम लागतवाली जमाराशियों की वृद्धि ने ब्याज व्यय को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई. गैर ब्याज गत व्ययों में केवल 8.94% की ही वृद्धि हुई.

4.300 लाभप्रदता विश्लेषण :

4.301 गत वर्ष के दौरान बैंक की निवल ब्याजगत आय रु. 722.68 करोड़ से बढ़कर रु. 855.36 करोड़ हो गई अर्थात इसमें 18.36% की

3.101 The market continued to remain volatile with rising trend in YTM of securities across all tenors, leading to a fall in market prices of securities. As a result of this adverse scenario there were lesser opportunities of realizing profit through this segment. Hence, the Bank was able to book a lower profit of Rs 39 Crs. only from sale of securities during the financial year 2006-07 as against Rs 125 Crs. earned during the previous year.

3.102 The Average Yield on Investments, including profit on sale of Investments was lower at 7.74% for the year, as against 9.19% recorded during the previous year due to aforesaid adverse market conditions.

4.000 INCOME & EXPENSES

4.100 **Income**

4.101 Total income of the Bank for the year increased by Rs. 310.87 Crs. or 14.14 % and stood at Rs. 2,510.04 Crs. as compared to an Income of Rs.2199.17 Crs. earned during the previous year.

4.102 Interest income of the Bank increased by 20.36% to record a level of Rs. 2,118.52 Crs. while other income declined by 10.82% to Rs 391.52 Crs. The decline in other income was mainly due to lower level of profit from sale of securities by Rs.85.88 Crs. and an extra-ordinary profit on sale of surplus fixed assets by Rs.56.82 Crs. earned during the previous year.

4.103 The growth in interest income of the Bank was achieved mainly due to a considerable increase in the interest income from advances i.e. by 41.32%, despite continued pressure for lending at sub-PLR rates from corporate sector. The achievement could be attributed to the strategies adopted by the Bank by concentrating on high yielding credit viz. SME, Retail & Agriculture, etc. and re-pricing of bulk corporate loans. Interest income from investments, though, declined by 6.86% on account of adverse market conditions. If these extraordinary items are excluded other income increased by 36.77% moving up from Rs. 257.38 Crs. to Rs. 352.02 Crs.

4.200 **Expenses**

4.201 Total expenses registered an increase of 17.25% over the previous year. This was mainly on account of increase in operating expenses that went up from Rs. 561.34 Crs. in 2005-06 to Rs. 611.51Crs, for the year. Although the Interest paid also increased, mainly due to increase in cost of deposits owing to tight liquidity situation during most part of the year, bank's focus and increase in share of low cost deposits was instrumental in containing interest cost. The increase in non-interest expenses was to the tune of 8.94% only.

4.300 **Profitability Analysis**

4.301 Bank's net interest income (NII) increased by 18.36 % and stood at Rs. 855.36 Crs. as compared to Rs. 722.68 Crs., posted during the previous year. The

वृद्धि हुई. यह अग्रिमों से उच्चतर ब्याज आय तथा जमाराशियों में ब्याज व्यय में कमी के कारण संभव हो सका.

4.302 गत वर्ष की तुलना में बैंक की परिचालनों से अन्य आय (निवेशों एवं स्थिर आस्तियों की बिक्री से प्राप्त लाभ को छोडकर) में 37.03% की वृद्धि हुई. फिर भी कुल मिलाकर गत वर्ष की तुलना में बैंक की अन्य आय में 10.82% की कमी आई, जिसका कारण निवेशों की बिक्री से प्राप्त लाभ के अवसरों में कमी होना रहा.

4.303 वर्ष के दौरान बैंक ने बट्टे खाते में डाली गई आस्तियों में वसूली पर मुख्यतः ध्यान केन्द्रित किया. इसके परिणामस्वरूप बैंक ने गत वर्ष के दौरान रु. 77.38 करोड़ की तुलना में 101.09% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 155.60 करोड़ की उच्च आय अर्जित की.

4.400 परिचालनगत लाभ

4.401 पिछले वर्ष के दौरान प्राप्त किए गए रु. 600.36 करोड़ की तुलना में बैंक का इस वर्ष का परिचालनगत लाभ 5.83% बढकर रु. 635.37 करोड़ हो गया. तथापि, निवेश एवं अचल संपत्तियों की बिक्री से हुए लाभ को छोड़कर, परिचालनगत लाभ पिछले वर्ष से 42.32% बढ़ गया.

4.500 निवल लाभ

4.501 वर्तमान ब्याज लागत पर बैंक का ध्यान केंन्द्रित होने के साथ, बट्टे डाले गए खातों में वसूली पर अत्यधिक बल तथा उच्च प्रतिफल वाले अग्रिमों के अवसरों को देखते हुए बैंक वर्ष के दौरान निवल लाभ में 176.15% की वृद्धि दर्ज करने में सफल रहा. बैंक का निवल लाभ पिछले वर्ष के रु. 72.99 करोड़ की तुलना में रु. 201.56 करोड़ हुआ

4.502 आय, व्यय तथा प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं की पिछले वर्ष से तुलनात्मक स्थिति नीचे दी गई है :

increase in NII was the result of higher interest income from advances and containment of interest costs on deposits.

4.302 Other Income from Banking Operations (excluding profit on sale of fixed assets and investments) increased by 37.06% over previous year. Overall other income was however lower by 10.82% as compared to the previous year, due to lesser opportunities for profit on sale of investments.

4.303 The Bank had laid a major thrust on recoveries in written off assets during the year. Resultantly, the Bank, could earn a higher income of Rs.155.60 Crs. under the segment as against Rs. 77.38 Crs. earned during the previous year, representing an increase of 101.09%.

4.400 Operating Profit

4.401 Operating profit of the Bank registered an increase of 5.83 % and stood at Rs 635.37 Crs. as compared to Rs 600.36 Crs., posted during the previous year. Operating Profit, excluding profit on sale of investment & fixed assets, had however, increased by 42.32% over previous year.

4.500 **Net Profit**

4.501 With the Bank's focus on containing interest costs, looking for opportunities of high yielding advance and a major thrust on recovery in written off accounts, the Bank was successful in posting 176.15 % rise in Net Profits during the year. The Net Profit of the Bank stood at Rs. 201.56 Crs. as against Rs. 72.99 Crores, posted during the previous year.

4.502 A comparison of income, expenses and provisions & contingencies with the previous year is given hereunder:

(रु. करोड़ में Rs in Crs)

विवरण Particulars	वि.व. FY 05-06	वि.व. FY 06-07
ब्याजगत आय Interest Income	1760.13	2118.52
गैर ब्याजगत आय Non Interest Income	439.04	391.52
कुल आय Total Income	2199.17	2510.04
व्यय किया गया ब्याज Interest Expended	1037.46	1263.16
परिचालनगत व्यय Operating Expenses	561.34	611.51
कुल व्यय Total Expenses	1598.80	1874.67
परिचालनगत लाभ Operating Profit	600.37	635.37
प्रावधान एवं आकस्मिकताएं Provisions & Contingencies	527.38	433.81
निवल लाभ Net Profit	72.99	201.56

5.000 **वर्ष 2006-07 के लिए आरक्षित परिसंपत्ति की तुलना में पूंजी अनुपात**

5.100 वर्ष के दौरान लाभ पुनर्निवेश के द्वारा पूंजी निधियों में हुई अभिवृद्धि से बैंक की प्रथम स्तरीय पूंजी (निवल संपत्ति) बढ़कर रु. 1000 करोड़ की

5.000 **CRAR for 2006-07**

5.100 With accretion to the capital funds during the year through plough back of profits, Tier I Capital (net worth)

सीमा को पार कर गई और 31 मार्च, 2006 के रु. 848.20 करोड़ से बढ़कर 28.13% की वृद्धि दर्शाते हुए वर्ष के अंत में रु.1086.81 करोड़ हो गई. द्वितीय पात्र पूंजी 31 मार्च, 2006 की रु. 662.95 करोड़ की तुलना में वर्ष के अंत में बढ़कर रु. 979.36 करोड़ हो गई. बैंक ने वर्ष के दौरान, उच्च द्वितीय बंध पत्र के द्वारा रु. 300 करोड़ का अर्जन किया.

5.101 कारोबार विस्तार से जोखिम धारित आस्तियों में पर्याप्त वृद्धि होने के बावजूद, वर्ष के दौरान, कोर सीआरएआर 5.96% से बढ़कर 6.06% हो गया. बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) 31 मार्च, 2006 में 10.62% से 90 अंक बढकर वर्ष के अंत में 11.52% हो गया.

5.102 नवोन्मेषी लिखतों के माध्यम से और पूंजी का सृजन करने के विकल्प के साथ बैंक का सीआरएआर न केवल 9% के निर्धारित न्यूनतम विनियामक से ऊपर है बल्कि यह कारोबार का पर्याप्त विस्तार करने तथा आस्ति आधार को और बढ़ाने के लिए भी अवसर प्रदान करता है.

6.000 लाभांश

6.100 बैंक द्वारा निवल लाभ में मात्रात्मक उछाल दर्ज करने तथा समग्र वित्तीय स्थिति के संतोषजनक रहने की दृष्टि से निदेशक मंडल ने वर्ष 2006-07 के लिए 8% का लाभांश देने की अनुशंसा की है. अनुमोदन के उपरांत, यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा कि बैंक छः वर्षों के अंतराल के बाद लाभांश देने वालों की सूची में लौटेगा क्योंकि पिछली बार लाभांश वर्ष 1999-2000 के लिए दिया गया था.

7.000 शाखा नेटवर्क

7.100 वर्ष 2006-07 के दौरान बैंक ने देश के विभिन्न भागों में 13 नई शाखाएँ खोली है जिससे शाखाओं की कुल संख्या 1135 हो गई है. वर्ष के दौरान, बैंक ने संघ शासित क्षेत्र में एक शाखा खोलकर पाण्डिचेरी के संघ शासित प्रदेश में अपना पहला कदम रखा है.

7.101 31 मार्च, 2007 को बैंक की शाखाओं का क्षेत्रवार विवरण इस प्रकार है :

of the Bank crossed Rs. 1,000 Crs. landmark and increased to Rs. 1086.81 Crs. as at the end of the year up from Rs.848.20 Crs. as at 31st March 2006, representing a growth of 28.13%. The eligible Tier II capital increased from Rs. 662.95 Crs. as at 31st March 2006 to Rs. 979.36 Crs. as at the end of the year. The Bank had raised Rs.300 Crs. by way of Upper Tier-II Bonds during the year.

5.101 The core CRAR increased from 5.96% to 6.06% during the period, despite substantial increase in Risk weighted assets due to business expansion. The Capital Adequacy Ratio (CRAR) of the Bank increased by 90 bps from 10.62% in March 2006 to 11.52% as at the end of the year.

5.102 With the option of raising further capital through new innovative instruments, the CRAR of the Bank is not only above the minimum regulatory prescription of 9% but also provides ample scope for further expansion of business and increasing the asset base.

6.000 DIVIDEND

6.100 In view of the Bank having posted a quantum jump in Net Profits and the overall financial position remaining satisfactory, the Board of Directors has recommended a dividend @ 8% for the year 2006-2007. This would be a landmark moment as, upon approval, the Bank would be returning to the dividend paying list after a gap of 6 years, with the last dividend having been paid for the year 1999-2000.

7.000 BRANCH NETWORK

7.100 The Bank opened 13 new branches in different parts of the country during the year, thus increasing the total number of branches to 1135. The Bank had laid its first foot print at the Union Territory of Pondicherry by opening a branch in the U.T. during the year.

7.101 The sector-wise breakup of the branch network of the Bank as on 31st March 2007 is as under:

(रु. करोड़ में) (Rs in Crs)

क्षेत्र Sector	शाखाओं की संख्या No of branches	कुल का प्रतिशत Percent to Total
ग्रामीाण Rural	491*	43.26%
अर्धशहरी Semi Urban	192	16.92%
शहरी Urban	244	21.50%
महानगरीय Metro	208	18.32%
कुल Total	**1135**	**100.00%**

* इनमें 98 अनुषंगी कार्यालय भी शामिल हैं. include 98 Satellite Offices

8.000 आस्ति गुणवत्ता और वसूली प्रबंधन :

8.100 गैर निष्पादक आस्तियों (एनपीए) में कमी करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए बैंक ने आस्ति गुणवता में सुधार लाने के अपने प्रयासों को

8.000 ASSET QUALITY & RECOVERY MANAGEMENT

8.100 The Bank continued its vigorous efforts towards improvement in asset quality with a focus on reduction

ज़ोर शोर से जारी रखा है. सरफायसी तथा परक्राम्य निपटारा इत्यादि के अंतर्गत कार्रवाई करने के माध्यम से गैर निष्पादक आस्तियों की वसूली / उच्च स्तरीकरण में आक्रामक होने के साथ-साथ इस दिशा में एक ओर दो कांटों की रणनीतियाँ अपनाई गई हैं तो दूसरी ओर नई छीजनों (स्लीपेज) को रोकने वाले पूर्व चेतावनी संकेतकों की पहचान करने हेतु एक सख्त ऋण निगरानी तकनीक इसमे शामिल है.

8.101 बैंक का सकल एनपीए 31 मार्च, 2006 के रु. 949.40 करोड़ से रु. 204.92 करोड़ घटकर 31 मार्च, 2007 को रु. 744.48 करोड़ हो गया. निवल एनपीए रु. 68.05 करोड़ (15.72%) घटकर 31 मार्च, 2006 के रु. 432.85 करोड़ से 31 मार्च, 2007 को रु. 364.80 करोड़ हो गया है. अतः वर्ष के अंत में सकल एनीए का अनुपात 246 अंक सुधरकर 3.98% तथा निवल एनपीए का अनुपात 105 अंक सुधर कर 1.99% हो गया.

8.102 गत वर्ष के दौरान रु. 227.08 करोड़ की तुलना में इस वर्ष अन्य जमाओं सहित नकद वसूलियां 8.89% बढ़कर रु. 247.29 करोड़ की हुईं. बट्टे डाले गए खातों में वसूलियों सहित कुल नकद वसूलियाँ पिछले वर्ष के दौरान हुई रु. 304.46 करोड़ की वसूली के विरुद्ध 32.32% की उच्चतर वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 402.82 करोड़ की हुईं.

8.103 गत वर्ष के दौरान प्राप्त 19.79% की तुलना में प्रारंभिक सकल एनपीए में नकद वसूलियाँ 26.05% अधिक हुईं.

8.104 बैंक ने एनपीए हेतु किए गए पिछले वर्ष के दौरान रु. 236.91 करोड़ के प्रावधानों की तुलना में इस वर्ष रु. 287.90 करोड़ का प्रावधान किया है.

8.105 सकल और निवल गैर निष्पादक आस्तियों की तुलनात्मक स्थिति इस प्रकार है :

in non performing assets (NPAs). The two pronged strategy in this direction involved putting in place a robust Credit Monitoring Mechanism on one hand, to identify Early Warning Signals to prevent fresh slippages and simultaneously being aggressive in upgradation / recovery of NPAs through action under SARFAESI and negotiated settlements etc.

8.101 Resultantly, Gross NPAs of the Bank were reduced by 204.92 Crs. (21.58%) from Rs.949.40 Crs. as on 31st March, 2006 to Rs.744.48 Crs. as at the end of the year. Net NPAs were reduced by Rs.68.05 Crs. (15.72%) from Rs.432.85 Crs. as of 31st March, 2006 to Rs.364.80 Crs. as at the end of the year. Gross NPA Ratio, therefore, stands improved by 246 bps to 3.98% and Net NPAs by 105 bps to 1.99% as at the end of the year.

8.102 Cash recoveries including other credits were higher by 8.89% at Rs. 247.29 Crs. during the year as compared to Rs. 227.08 Crs. effected during the previous year. Total Cash recoveries i.e. including those in written off accounts, recorded a higher growth of 32.32 % and stood at Rs. 402.82 Crs. as against Rs. 304.46 Crs., effected during the previous year.

8.103 Cash recoveries to opening gross NPA were higher at 26.05% as compared to 19.79%, achieved during the previous year.

8.104 The Bank had made provisions for NPAs amounting to Rs.287.90 Crs. during the year as compared to Rs.236.91 Crs. made during the previous year.

8.105 The comparative position of Gross and Net NPAs is given below.

(रु. करोड़ में) (Rs. in Crs.)

	मार्च March 2005	मार्च March 2006	मार्च March 2007
सकल अग्रिम Gross Advances	11865.13	14747.79	18683.07
सकल एनपीए Gross NPAs	1147.54	949.40	744.48
सकल अग्रिमों में सकल एनपीए Gross NPA to Gross Advances	9.67%	6.44 %	3.98%
निवल अग्रिम Net Advances	11308.59	14231.24	18303.39
निवल एनपीए Net NPAs	591.00	432.85	364.80
निवल अग्रिमों में निवल एनपीए Net NPA to Net Advances	5.23%	3.04 %	1.99%
प्रावधान कवर Provision Cover	46.72 %	52.61 %	50.05%

8.200 **आस्ति गुणवत्ता में सुधार के लिए पहल**

8.201 सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में **एनपीए वसूली कक्ष** की स्थापना कर दी गई है. एनपीए में हुई प्रगति की समीक्षा करने एवं पुनः संभावित खातों की पहचान करने / बातचीत द्वारा निपटान करने के लिए वसूली समितियों की बैठकें नियमित आवधिक अंतरालों पर होती हैं.

8.200 Initiatives on improvement in Asset Quality

8.201 NPA Recovery Cells have been established at all the Regional Offices. The Recovery Committees meet at regular periodical intervals to review the progress made in the NPAs and to further identify & pursue the potential accounts for compromise / negotiated settlements.

8.202 बैंक ने वर्ष के दौरान विभिन्न केन्द्रों में 868 शाखाओं की प्रतिभागिता के साथ 1173 वसूली शिविरों का आयोजन किया. 15715 उधारकर्ताओं ने इन शिविरों में भाग लिया. वर्ष के दौरान इन वसूली शिविरों के माध्यम से 5497 एनपीए खातों का निपटारा किया गया.

8.203 विशेष एकमुश्त समझौता निपटान योजना :

छोटे उधारकर्ताओं से मिलनेवाले प्रतिसाद से उत्साहित होकर बैंक ने (रु. 2.00 लाख तक के बकाया वाले) छोटे उधारकर्ताओं के लिए विशेष एकमुश्त समझौता निपटान योजना को एक वर्ष और बढ़ाकर उसे दिनांक 31.3.2007 तक लागू कर दिया था. वर्ष के दौरान, इस योजना के माध्यम से बैंक को रु. 80.37 करोड़ की बकाया राशि वाले 27430 खातों को निबटाने / बंद करने एवं रु. 7.04 करोड़ की बकाया राशिवाले 2477 खातों को उच्च कोटि के स्तर में लाने में सफलता मिली.

रु. 2.00 लाख से अधिक की गैर निष्पादक आस्तियों के खातों में बैंक ने एक सरलीकृत तथा निर्धारित मानदंडों वाली एकमुश्त समझौता नीति अपनाई है जिसके परिणामस्वरुप रु. 569.80 करोड़ की बकाया राशिवाले 2417 खातों में समझौता किया है. चालू वर्ष के दौरान इन खातों में की गई नकद वसूली रु. 64.55 करोड़ की थी.

8.204 **बैंकों / वित्तीय संस्थाओं और आस्ति पुर्ननिर्माण कंपनियों को एनपीए का विक्रय**

बैंकों / वित्तीय संस्थाओं और आस्ति पुर्ननिर्माण कंपनियों को एनपीए का विक्रय करने के उद्देश्य से, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 13.07.2005 को जारी किए गए दिशानिदेशों के अनुसरण में, बैंक ने लगभग रु.600.00 करोड़ के मूलधन की बकाया राशिवाले 64 एनपीए खातों की पहचान की है. बैंक ने पुर्नसंरचना, विपणन, सही मूल्य निर्धारण हेतु, साथ ही, लागत को व्यापक करने के लिए निवेशकों को पर्याप्त व संगठित सूचना देने हेतु वित्तीय सलाहकार के रूप में प्राइस वाटर कूपर्स लिमिटेड की नियुक्ति की है. बैंक ने सभी 64 खातों में वित्तीय एवं उचित उद्यम पूरा किया एवं वर्ष के दौरान बैंक रु. 83 करोड़ की नकद राशि स्वीकारते हुए रु. 391.85 करोड़ की कुल बकाया राशि वाले 30 एनपीए खाते को एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी को बेचने में सफल रहा है.

8.205 प्रतिभूतिकरण अधिनियम के माध्यम से वसूली :

एनपीए खातों में वसूली के लिए आक्रामक कदम के रूप में सरफायसी के तहत बैंक ने रु. 255.22 करोड़ की राशि वाले पात्र खातों में 1578 नोटिसें जारी कीं. अधिनियम के निवारक प्रावधानों की दृष्टि से बैंक वर्ष के दौरान 1636 खातों में (पिछले वर्ष जारी की गई नोटिसों सहित) रु. 134.24 करोड़ की राशि वसूल करने में सफल रहा.

8.206 लोक अदालत के माध्यम से वसूली :

बैंक ने लोक अदालत के माध्यम से विवादों के शीघ्र समाधान और अपने चूककर्ताओं से वसूली करने पर ज़ोर दिया है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान रु. 4.81 करोड़ वाले 1562 मामलों को भेजा गया. इनमें से रु. 0.52 करोड़ की राशि वाले 358 मामलों का निपटान किया गया. वर्ष के दौरान रु.1.71 करोड़ की वसूली हुई जिनमें पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान निपटाए गए मामलों में से वसूल की गई रु.1.49 करोड़ की राशि भी शामिल है.

8.202 The Bank had organized 1173 recovery camps during the year, with participation of 868 branches across various centres. 15715 borrowers had attended such camps. 5497 NPA accounts were settled during the year through such recovery camps.

8.203 Special One Time Compromised Settlement Scheme:

Encouraged by the response from small NPA borrowers, the Bank had extended Special One Time Settlement scheme for Small Borrowers (outstanding upto Rs.2 lacs) by another year i.e. up to 31st March 07. The Bank had succeeded to settle/close 27430 accounts with outstanding of Rs. 80.37 Crs. and upgraded 2477 accounts of Rs.7.04 Crs. through the scheme, during the year.

The Bank had adopted a simplified and parameterised One Time Settlement policy for NPA accounts above Rs.2.00 lacs, which had resulted into settlement of 2,417 accounts with outstanding of Rs. 569.80 Crs. Cash recovery to the tune of Rs. 64.55 Crs. was effected during the year, in these accounts.

8.204 **Sale of NPA amongst Banks/FIs and ARCs**

In terms of RBI Guidelines issued on 13.07.2005, the Bank had identified 64 NPA accounts comprising of principal outstanding of around Rs. 600 Crs. for the purpose of sale amongst the Banks/FIs and ARCs. The Bank had appointed Price Water Coopers Ltd. as Financial Advisors for structuring, marketing, correct pricing and providing sufficient and organised information to investors so to maximize realization value. The Bank completed the financial and legal due diligence in all the 64 accounts and succeeded in selling off 30 NPA accounts having outstanding amount of Rs.391.85 Crs., to Asset Reconstruction Co. during the year, for a cash consideration of Rs. 83 Crs..

8.205 Recovery under SARFAESI Act

As an aggressive step towards recovery from NPAs 1578 Notices were issued in the eligible accounts involving an amount of Rs.255.22 Crs. under SARFAESI Act. In view of the deterrent provisions of the Act the Bank was successful in recovering an amount of Rs.134.24 Crs. in 1636 A/cs (including those where notices were issued during previous years) during the year.

8.206 Recovery through Lok Adalats

The Bank laid emphasis on early resolution of disputes and recoveries from its defaulters through Lok Adalats. During the year under review, the Bank had referred 1562 cases involving Rs.4.81 Crs. to Lok Adalats. Of these, settlements were made in 358 cases involving an amount of Rs.0.52 Crs. There had been a recovery of Rs.1.71 Crs. during the year which includes Rs.1.49 Crs. recovered in cases settled during the previous year.

8.207 ऋण वसूली प्राधिकरण में दायर वादों के माध्यम से वसूली :

वर्ष के अंत में बैंक द्वारा वसूली हेतु दायर किए गए 522 वाद जिनमें रु. 1503.19 करोड़ की राशि फँसी हुई थी, ऋण वसूली प्राधिकरण के समक्ष निर्णय के लिए लंबित थे. ऋण वसूली प्राधिकरण द्वारा निष्पादन के लिए रु. 631.36 करोड़ की राशि वाले 579 वसूली प्रमाण पत्र पड़े थे. उपर्युक्त के अलावा, रु. 233.45 करोड़ की राशि वाले 2731 मामले तथा रु. 10.34 करोड़ की राशि वाली 1482 डिक्रियाँ अन्य न्यायालयों में लंबित पड़ी थीं.

बैंक ने वर्ष के दौरान ऋण वसूली प्राधिकरण / न्यायालयों के हस्तक्षेप से रु. 129.65 करोड़ की राशि वसूल की.

8.208 औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निमाण बोर्ड मामले (बीआईएफआर):

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित वसूली नीति के अनुसार, बीआईएफआर मामलों का समन्वय करने के लिए नई दिल्ली कार्यालय में एक नोडल अधिकारी की पहचान की गई है. वर्ष के दौरान, समझौते से हुए खातों के बंद हो जाने, बीआइएफआर द्वारा मामलों को अस्वीकृत किए जाने, सरफायसी कारवाई से छोड़ दिए जाने तथा एआरसीआईएल को आस्तियों को सुपुर्द कर दिए जाने के कारण 20 मामलों को हटा दिया गया है. इस तरह, रु. 535.04 करोड़ की राशि वाले 75 मामले वर्ष के अंत में बीआईएफआर / एएआईएफआर के सम्मुख लंबित पड़े थे.

बीआईएफआर खातों में सरफायसी अधिनियम के अंतर्गत नोटिसें जारी करते हुए रु. 25.90 करोड़ की राशि की वसूली की गई.

9.000 अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग :

9.100 बैंक ने मुंबई में समेकित खजाना शाखा की स्थापना की है जो बैंक की अधिकृत विक्रेता (ए.डी.) शाखा यानि ''कोटी क'' के रुप में कार्य कर रही है. आयातकों / निर्यातकों की आवश्यकताएँ पूरी करने हेतु बैंक की ''कोटि ख'' की 37 शाखाएं भी हैं. इनके अतिरिक्त, बैंक की ''कोटि ग'' की 1097 शाखाएँ भी अनिवासी भारतीय ग्राहकों की सेवाएँ कर रही हैं.

9.101 बैंक सभी प्रसिद्ध मुद्राओं में 21 नोस्ट्रो खातों का भी संचालन कर रहा है और बैंक के पास आयातकों / निर्यातकों / अनिवासी भारतीयों की आवश्यकताएँ पूरी करने हेतु पूरे विश्व में खातारहित संबंध वाले अच्छी संख्या में सहयोगी हैं. बैंक ने पूरी दुनिया में बैंकों के साथ स्वीकृत अधिकतम ऋण सीमा की व्यवस्था की भी स्थापना की है.

9.102 बैंक अमेरिकी डॉलर / भारतीय रुपए में सरकारी प्रतिभूति लेन-देन तथा अंतरबैंक विदेशी विनिमय के लेन-देन के निपटारे के लिए भारतीय समाशोधन निगम लि. (सीसीआईएल) का एक सदस्य है.

9.103 बैंक के व्यापारी विदेशी विनिमय पण्यावर्त में 30.16% की रिकार्ड वृद्धि हुई है जो कि 2005-06 के रु. 17065 करोड़ से बढ़कर 2006-07 में रु. 13111 करोड़ हो गया. निर्यातों ने रु. 5590 करोड़ से बढ़कर रु. 8163 करोड़ (48%) का योगदान दिया, इस तरह वर्ष के दौरान इसमें 46.03% की वृद्धि प्रतिबिम्बित हुई. आयात रु. 2906 करोड़ से बढ़कर रु. 4301 करोड़ (25%) हो गए जिससे पिछले वर्ष से इसमें 48% की वृद्धि हुई.

8.207 Recovery through Suits in Debts Recovery Tribunals:

522 Recovery cases involving an amount of Rs. 1,503.19 Crs., filed by the Bank were pending for adjudication before DRTs as at the end of the year. 579 Recovery Certificates involving an amount of Rs.631.36 Crs. were under execution by the DRTs. Besides, 2731 Suits involving an amount of Rs.233.45 Crs. and 1482 Decrees involving an amount of Rs.10.34 Crs. were lying there in other Courts.

The Bank had recovered an amount of Rs.129.65 Crs. through the intervention of DRT/Courts during the year.

8.208 BIFR Cases

In terms of the recovery policy approved by the Board, a Nodal Officer stationed at New Delhi, has been identified for co-coordinating the BIFR cases. During the year, 20 cases were removed on account of closure of accounts due to compromise, cases rejected by BIFR, abated due to SARFAESI action and due to assignment of assets to ARCIL. Further, 3 references were filed before the BIFR during the year. Thus, 75 cases involving an amount of Rs. 535.04 Crs., were lying pending before BIFR / AAIFR as at the end of the year.

An amount of Rs. 25.90 Crs. was recovered by issuance of notices under SARFESI Act in BIFR accounts.

9.000 INTERNATIONAL BANKING

9.100 The Bank has established an Integrated Treasury Branch, at Mumbai that is functioning as Category 'A' Authorised Dealer (AD) Branch of the Bank. The Bank also has 37 Category 'B' AD branches catering to the needs of exporters / importers etc. Besides, NRI clients are also being served by 1097 "Category C" branches of the bank.

9.101 The Bank is maintaining 21 Nostro accounts in all major currencies and has a substantial number of Correspondents with non-account relationship all over the world, to cater to the needs of exporters / importers / NRIs etc. The Bank has also established lines of credit with banks across the globe.

9.102 The Bank is a member of CLEARING CORPORATION OF INDIA LTD., (CCIL) for settlement of Government Security deals and Inter Bank Forex deals in USD/INR.

9.103 The Merchant Forex Turnover of the Bank recorded a growth of 30.16%, moving up from Rs.13111 Crs. achieved during 2005-06 to Rs.17065 Crs. during the year. Exports contributed a Turnover of Rs.8163 Crs. (48%) moving up from Rs.5590 Crs., thus, reflecting a growth of 46.03% during the year. The Imports had contributed Rs.4301 Crs. (25%) moving up from Rs.2906 Crs., representing a growth of 48% over the previous year.

9.104 निर्यात को प्राथमिकता देना जारी रखते हुए भारतीय और विदेशी मुद्राओं में रियायती दरों पर निधि और गैर-निधि आधारित दोनों सीमाओं में वृद्धि सहित, निर्यातकों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करते हुए इस क्षेत्र के अंतर्गत ऋण जोखिम बढ़ाने के निरंतर प्रयास किए गए. निर्यातों के ऋण प्रवाह जो 31.03.2006 को रु. 1028 करोड़ था वह वर्ष के अंत में बढ़कर रु. 1404 करोड़ हो गया जो इसमें 36.58% की वृद्धि को दर्शाता है. भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिदेशों के अनुसार, बैंक ने अपने पात्र निर्यातको को सभी अनुवर्ती लाभों सहित गोल्ड कार्ड का स्तर प्रदान किया है.

9.105 विदेशी मुद्रा ऋण / विदेशी मुद्रा निर्यात ऋण की मांगे पूरी करने हेतु अतिरिक्त विदेशी मुद्रा संसाधनों का संग्रहण किया गया. वर्ष के अंत में संदर्भित मुद्रा बढ़कर कुल 112 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गई.

9.106 अनिवासी भारतीय जमा राशि गत वर्ष के अंत में रु.1068 करोड़ की तुलना में इस वर्ष के अंत में 10.67% की वृद्धि दर्शाते हुए रु. 1122 करोड़ हो गई. वर्ष के अंत तक अनिवासी भारतीय कक्षों की कुल संख्या 16 तक बढ़ाते हुए अनिवासी भारतीयों को विशिष्ट सेवाएँ देने के लिए 4 नए अनिवासी भारतीय कक्षों की स्थापना की गई है.

9.107 झंझटमुक्त विदेशी आवक धनप्रेषण की सुविधा देने तथा शुल्क आधारित आय को व्यवस्थित करने की दृष्टि से बैंक आवक धनप्रेषण हेतु बहुचैनलीय सुविधाएँ उपलब्ध कराता आ रहा हैं. बैंक ''देना इण्डिया रेमिट'' ब्राण्ड के तहत एक ऑन लाइन वेब समर्थित धन-प्रेषण सुविधा उपलब्ध कराई है जो अमेरिका, इंग्लैण्ड और यूरोलैण्ड में बसे अनिवासी भारतीयों को एक सुरक्षित, संरक्षित, तीव्र और लागतसम्मत आवक धन-प्रेषण की सुविधा देती है. बैंक ने धन-प्रेषण का संचालन करने हेतु वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर सर्विसेज़ के साथ व्यवस्था की है जिससे हिताधिकारी विदेश से प्रेषित धन को कुछ ही मिनटों में प्राप्त कर सकता है.

9.108 खाड़ी देशों से प्रवासियों के धन को प्राप्त करने को सुविधाजनक बनाने के लिए बैंक ने यूएई एक्सचेंज सेंटर एलएलसी, अबू धाबी के साथ रुपया आहरण व्यवस्था का प्रबंध किया है.

10.000 तृतीय पक्ष के उत्पादों की बिक्री

10.101 अपने ग्राहकों के लिए एक वित्तीय सूपरमार्केट बनने के साथ ही अन्य आय के स्त्रोत पैदा करने की खोज के अपने प्रयासों में, बैंक ने पिछले वर्ष तीसरे पक्ष के उत्पादों अर्थात् बीमा और म्युचुअल फंड आदि के वितरण पर कब्जा जमाया. वर्ष के दौरान,बैंक ने उत्पादों में विकल्पों की विस्तृत सूची का विचार करते हुए अपने ग्राहकों के लिए एक ही छत के नीचे ये सुविधाएं देने पर अपना ध्यान केन्द्रित किया.

10.102 म्युचुअल फंड उत्पादों का वितरण

म्युचुअल फंडों के वितरण को नामित शाखाओं के नेटवर्क के विस्तार के माध्यम से पुनः मजबूती प्रदान की गई. बैंक ने अपनी चयनित शाखाओं के माध्यम से अपने म्युचुअल फंड उत्पादों के वितरण हेतु चार और म्युचुअल फंडों अर्थात् एचडीएफसी म्युचुअल फंड, आईएनजी वैश्य म्युचुअल फंड, रिलाएंस म्युचुअल फंड और कोटक म्युचुअल फंड के साथ करार किया है.

9.104 Having continued to accord priority to exports, vigorous efforts were made to increase Bank's exposure under the sector by extending various types of facilities to the exporters, including enhancement in both fund and non-fund based limits at concessional rates in Indian and Foreign currencies. Credit flow to exports increased from Rs.1028 Crs. as on 31.03.2006 to reach a level of Rs.1404 Crs. as at the end of the year, representing a growth of 36.58%. The Bank had extended Gold Card Status to its eligible exporter clients along with all the attendant benefits in terms of RBI guidelines.

9.105 To meet the demand for Foreign Currency loans / foreign currency export credit, additional foreign currency resources were mobilized. The total portfolio had grown up to US$ 112 million as at the end of the year.

9.106 NRI deposits stood at Rs.1182 Crs. as at the end of the year, as against Rs.1068 Crs. as at the end of previous year, representing a growth of 10.67%. 4 new NRI Cells had been established to offer specialised services to NRIs, increasing the total tally of NRI Cells to 16 as at the end of the year.

9.107 With a view to provide hassle free foreign inward remittances and to shore up fee based income, the Bank has been providing, multi-channel facilities for Inward remittances. The Bank provides an on-line web enabled remittance facility under the brand "DENA IndiaRemit" which provides a safe, secure, speedy and cost effective inward remittance facility to NRIs based in USA, UK and Euroland. The Bank has also made arrangement for handling remittance through Western Union Money Transfer Services, facilitating the beneficiaries to collect the money within few minutes of remittance from abroad.

9.108 The Bank had entered into Rupee Drawing Arrangement (DD) with UAE Exchange Centre LLC, Abu Dhabi, during the year, to facilitate remittances of expatriates from Gulf countries.

10.000 SALE OF THIRD PARTY PRODUCTS

10.101 In an endeavour to become a financial supermarket for its customers and to explore avenues for generating other income, the Bank had made forays into distribution of third party products viz. Insurance and Mutual Funds etc. in the previous year. The Bank had focused on providing a larger umbrellla to its customers, during the year, by extending a wide array of choices in products and an expanded distribution channel.

10.102 Distribution of Mutual Fund products

Distribution of mutual fund products was further strengthened by expanding the network of designated branches. The Bank entered into arrangement with 4 more mutual funds viz. HDFC Mutual Fund, ING Vysya Mutual Fund, Reliance Mutual Fund and Kotak Mutual

वर्ष के अंत तक बैंक ने प्रसिद्ध आठ म्युचुअल फंडो के साथ रणनीतिक विपणन गठजोड़ कर लिया था.

10.103 बैंक बीमा : बीमा उत्पादों का वितरण

अपने जीवन बीमा उत्पादों एवं गैर-जीवन बीमा उत्पादों के वितरण के लिए बैंक का क्रमशः भारतीय जीवन बीमा निगम और दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लि. के साथ कारोबारी गठजोड़ है. बैंक की सभी शाखाएँ अपने ग्राहकों को इन कंपनियों द्वारा प्रस्तावित बीमा उत्पादों की संपूर्ण श्रृंखला की सुविधा देती हैं.

10.1031 वर्ष 2006-07 के दौरान, बैंक ने रु.1 करोड़ तक के बकाया ऋणभार को बीमा सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एक बीमा संबद्ध उत्पाद ''देना गृहस्वामी सुरक्षा योजना'' का शुभारंभ किया है जो उन आवासीय ऋण उधारकर्ताओं को जीवन बीमा की सुविधा का प्रस्ताव देता है जिन्होंने यह योजना चुनी है. इस योजना के तहत जीवन बीमा की सुविधा भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दी जाती है.

11.000 सूचना तकनीक

11.100 कोर बैंकिंग समाधान

11.101 ग्राहक संतुष्टि और कारोबार वृद्धि को बढ़ाने की दृष्टि से बैंक ने तकनीक के माध्यम से रुपांतरण की प्रक्रिया शुरु की. बैंक के कोर बैंकिंग परिचालन के लिए, बैंक ने अद्योपांत समाधान हेतु सूचना तकनीक समर्थित सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी सेवा प्रदाता मे. विप्रो की सेवाएँ लेनी शुरु की है. इसे मेसर्स इन्फोसिस प्रौद्योगिकी लि. से 'फिनैकल' सॉफ्टवेयर का सहयोग प्राप्त है. कोर बैंकिंग प्रणाली में समेकित खजाना प्रणाली के सॉफ्टवेयर के अलावा, ग्राहक-दोस्ताना सेवाओं का पुलिन्दा है जैसे कि इंटरनेट बैंकिंग, फोन बैंकिंग, मोबाईल बैंकिंग और नकदी प्रबंधन सेवाएं उपलब्ध है. मुख्यतः विनियामक सरोकारों की ओर उन्मुख रहने की दृष्टिसे कोर बैंकिंग के साथ कई संख्या में तृतीय पक्ष सॉफ्टवेयर समाधान समेकित किए जा रहे है.

11.102 बैंक ने कोर बैंकिंग प्रणाली में प्रवेश करने से पहले एक विस्तृत कारोबारी प्रक्रिया पुर्नअभियांत्रिकी / सुपरिष्कृत आंकड़ों के क्रमिक व्यवस्थापन को अपनाया. इसी प्रकार, बैंक की अपनी तथा कोर बैंकिंग समाधान के अंतर्गत आनेवाली सभी शाखाओं की एकरुप आकृति रखने व महसूस करने की योजना हैं. अपनी **दृष्टि 2010** को पूरा करने के लिए कोर बैकिंग समाधान बैंक की कुंजियों में से एक है.

11.103 बैंक की कोर बैंकिंग परियोजना को आई.आई.टी., मुंबई तथा मेसर्स अर्न्स्ट एण्ड यंग प्रा.लि. के तत्वावधान में अपने तकनीकी सलाहकार से मार्गदर्शन मिलता रहा है. बैंक ने परियोजना को चलाने के लिए पहले से ही 60 से अधिक सूचना तकनीक अधिकारियों एवं शाखा स्तर का परिचालन करने हेतु 170 अधिकारियों को प्रशिक्षित कर दिया है. बैंक ने कोर बैंकिंग वातावरण के अंतर्गत व्यावसायी मॉडलों के विकास के लिए रणनीतिक कदम उठाने की भी पहल की है.

11.104 दिनांक 12 मार्च 2007 को मुंबई में बैंक की माहिम शाखा में वहाँ की प्रचलित परिचालन पद्धति को रुपांतरित करने के साथ ही इस परियोजना की शुरुआत की गई. परियोजना कार्यालय और डाटा सेंटर को भी बैंक के मुंबई स्थिय अपने परिसर में क्रियाशील किया गया. कारोबार की निरंतरता

Fund for distribution of their mutual fund products through the selected branches. The Bank had strategic marketing alliance with 8 Mutual Funds of repute, as at the end of the year.

10.103 BANCASSURANCE: Distribution of insurance products

The Bank has existing business tie ups with the Life Insurance Corporation of India and The Oriental Insurance Company Ltd. for distribution of their life insurance products and non-life insurance products respectively. All the branches of the Bank provide whole range of insurance products offered by these companies to all its customers.

10.1031 The Bank had introduced "Dena Grihaswami Suraksha Yojana", an insurance linked product, during the year, which offers life insurance cover upto an outstanding indebtedness of Rs. 1 Cr., to the housing loan borrowers who opt for the scheme. The life insurance cover under this scheme is provided by Life Insurance Corporation of India.

11.000 INFORMATION TECHNOLOGY

11.100 Core Banking Solution

11.101 The Bank had embarked upon a process of transformation through technology with a view to enhance customer satisfaction and to leverage business growth. The Bank has engaged the services of M/s Wipro, a leading service provider in IT enabled services, for an end-to-end solution for Core Banking Operations of the Bank. It is backed by 'Finacle' software support from M/s Infosys Technologies Ltd. The Core Banking system bundles a host of customer friendly services like Internet Banking, Phone Banking, Mobile Banking and Cash Management Services etc. besides software system for integrated Treasury operations. A number of third party software solutions are also being integrated mainly with a view to address Regulatory concerns.

11.102 The Bank had undertaken an elaborate business process reengineering / data cleaning exercise before migrating to CBS platform. Similarly, the Bank also plans to have uniform look & feel of all the branches coming under CBS. Core banking implementation is one of the key initiatives of the Bank towards fulfillment of its Vision 2010.

11.103 The Core banking project of the bank has been guided by its Technology Advisor under the aegis of IIT, Mumbai and M/s Ernst & Young Pvt Ltd., the Consultants for the project. The Bank had already trained over 60 IT Professionals to man the project and over 170 officials for branch level operations. The Bank has also initiated strategic exercises for developing new business models under Core Banking Environment.

11.104 The Project was kicked off with migration of existing operations at bank's Mahim Branch in Mumbai on 12th March 07. The Project Office and the Data Centre

को सुनिश्चित करने के लिए बेंगालुरु (बेंगलूर) में बैंक का आपदा पुर्नप्राप्ति स्थल का भी परिचालन शुरु किया गया.

11.105 विषयगत महत्व की शोभा के अनुरुप कोर बैंकिंग समाधान परियोजना को 'देना गरिमा' का नाम दिया गया है. मार्च 2007 के दौरान खोली गई सभी 12 नई शाखाएं अब से 'देना गरिमा' के अंतर्गत परिचालन में लाई गई. मार्च 07 के अंत तक 13 शाखाओं के नेटवर्क का विस्तार चरणबद्ध रुप में करने की योजना बनाई गई है. बैंक अपने कारोबार का 92% हिस्सा कोर बैंकिंग के अंतर्गत लाने की शुरुआत कर रहा है. बैंक ने कुल मिलाकर 1135 शाखाओं (विस्तार कांउटर सहित) में से 850 शाखाओं को कोर बैंकिंग समाधान के दायरे में लाने के लिए चुन लिया है.

11.200 अन्य सूचना तकनीकी पहलकदमियाँ

कंप्यूटरीकरण, डिलीवरी चैनल का विस्तार एवं नेट वर्क के विस्तार की तुलनात्मक स्थिति निम्नलिखित है :-

had also been made functional at Banks' owned premises at, Mumbai. The Bank's Disaster Recovery Site at Bengaluru (Bangalore) is also operational to ensure business continuity.

11.105 Befitting the esteem, the CBS project has been named as 'DENA GARIMA'. All the 12 new branches opened during March 07 were operationalised under 'DENA GARIMA', ab-initio. The network of 13 branches as at the end of March 07 is planned to be expanded in a phased manner. The Bank envisages bringing around 92% of its business under core banking. In all, 850 branches out of the 1135 branches (including extension counters) of the Bank are slated for coverage under CBS.

11.200 Other IT Initiatives

A comparative status of computerization, expansion of delivery channel and net-work expansion is summarized as under:

कंप्यूटरीकरण का स्तर Level of Computerisation	मार्च March 2005	मार्च March 2006	मार्च March 2007
शाखाओं की कुल संख्या Total no. of Branches	1123	1122	1135
कुल कम्प्यूटरीकृत शाखाओं मे से कोर बैंकिंग (सीबीएस) समाधान वाली शाखाएं Total no. of Computerized Branchesof which: Branches with Core Banking Solution (CBS)]	1123 [शून्य Nil]	1122 [शून्य Nil]	1135 [13]
कम्प्यूटरीकृत शाखाओं का % of branches computerized	100	100	100
किए गए कारोबार का प्रतिशत Percent of business covered	96.17	98.30	98.50
एटीएमों की संख्या Number of ATMs	155	240	269

11.201 एटीएम संस्थापन एवं संबंधित सेवाएँ

वर्ष के दौरान 29 नए एटीएमों की स्थापना के साथ वर्ष के अंत तक एटीएमों की कुल संख्या 269 हो गई. देश भर में एटीएम के नेटवर्क में 216 शाखास्थलीय तथा 53 शाखारहितस्थलीय एटीएम हैं.

वर्ष के दौरान बैंक ने रेलवे टिकट, ई-टिकट, मासिक / तिमाही टिकट, पीआरएस टिकट व यूटीएस टिकट जारी करने के लिए 117 एटीएम एवं 78 कियोस्क संस्थापित करने हेतु दिनांक 17 नवम्बर, 2006 को भारतीय रेलवे के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है. इस पहल की शुरुआत ने न केवल ग्राहक सेवा हेतु एक प्रभावी रास्ता खोला है बल्कि इससे देशभर में बैंक की मौजूदगी का दायरा बढ़ेगा.

11.202 एटीएम / डेबिट कार्ड

एटीएम / डेबिट कार्ड जारी करने के लिए कारोबार के दायरे वाले 132 से अधिक केन्द्रों को तकनीकी रुप से सुसज्जित कर दिया गया है. वीसा समर्थित एटीएमों एवं पीओएस टर्मिनलों के अलावा. बैंक ने स्टेट बैंक, कार्पोरेशन बैंक, कैशनेट, कैशट्री एवं नेशनल फायनैन्शियल स्विच ग्रूप्स के साथ साझेदारी व्यवस्था की है जिससे बैंक के ग्राहकों के लिए एटीएमों की उपलब्धता में वृद्धि हो रही है. एटीएमों के साथ-साथ बैंक के पास अनेक मूल्य वर्धित सेवाएँ भी

11.201 ATM Installations and Related Services

29 new ATMs were installed during the year, taking the total tally of ATMs to 269 as at the end of the year. The network of ATMs covers 216 onsite & 53 offsite locations all across the country.

During the year, the Bank had signed a Memorandum of Understanding with Indian Railways for installation of 117 ATMs and 78 kiosks for issuing Railway tickets, E-tickets, Monthly/Quarterly tickets, PRS tickets and UTS tickets etc. The initiative is envisaged to not only provide an effective window for customer service but shall enable enhancing bank's visibility across the country.

11.202 ATM / Debit cards

374 branches covering more than 132 centres have been technologically enabled to issue ATM/Debit cards. Apart from VISA enabled ATMs and Point of Sales (POS) terminals, the Bank has sharing arrangements with State Bank of India, Corporation Bank, Cashnet, Cashtree and National Financial Switch groups thereby increasing the availability of ATMs to the Bank's customers. The Bank has a number of value added services over the ATMs

हैं जैसे कि मोबाइल प्रीपेड टॉप अप व पोस्टपेड बिल भुगतान आदि. बैंक के ग्राहक भी इंटरनेट के माध्यम से करों का भुगतान कर सकते हैं. मार्च 07 के अंत तक बैंक का कार्ड आधार 4.76 लाख था.

11.203 नेटवर्क आधारित सेवाएँ तथा प्रयोजनीयता

1006 शाखाओं एवं 34 प्रशासनिक कार्यालयों को जोड़ते हुए बैंक ने 521 लीज लाइनों, 226 आईएसडी लाइनों, 121 वी-सैट्स तथा 615 डायल अप लाइनों का इस्तेमाल करते हुए 'देनानेट'' नामक अपने नेट वर्क की स्थापना की है. 99% से अधिक समयपालन को सुनिश्चित करने के लिए एक 'सुविधा प्रबंधन टीम' के द्वारा नेटवर्क पर सातों दिन चौबींसों घंटे निगरानी रखी जाती है.

देनानेट बैंक के अपने नेटवर्क संचार संरचना की रीढ़ का है जो कि आधुनिक युग की तकनीक से संचालित बैंकिंग परिचालन के लिए प्रयुक्त होता है. नेटवर्क के उपयोग से अधिकाधिक अनुप्रयोग / सुविधाएं परिचालित की गई है जो निम्नानुसार है -

11.2031 कोई भी शाखा बैंकिंग एवं बहुनगरीय चेक सुविधा

यह सुविधा 50 केन्द्रों की 142 शाखाओं में आरंभ की गई जो एक शाखा के ग्राहकों को दूसरी शाखाओं से कारोबारी लेन-देन करने की सुविधा प्रदान करती है जैसे कि नकद आहरण, नकद जमा, निधि अंतरण एवं नकदी प्रबंधन सेवा. हमारे ग्राहकों के हितलाभ के लिए कोई भी शाखा बैंकिंग के अंतर्गत एक और अतिरिक्त सुविधा के रूप में बहुनगरीय चेक सुविधा भी आरंभ की गई है.

11.2032 दूरस्थ सहायता

किसी दूरस्थ केन्द्र से गड़बड़ी दूर करने के उद्देश्य से देनानेट की क्षमताओं का उपयोग किया जा रहा है और इस तरह क्षेत्र स्तरीय कर्मचारियों की सहायता करने में कुशल मानवशक्ति का उपयोग और दक्षता व पूर्णता के साथ किया जा रहा है.

11.2033 आरटीजीएस / एनईएफटी

बैंक 135 शाखाओं में वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के माध्यम से पीडीओ-एनडीएस प्रयोजन प्रणाली और अंतर बैंक निधि अंतरण तथा ग्राहक लेन-देन में सक्रियता से भाग ले रहा है.

11.2034 एम-बैंकिंग

अपने खातों में लेन-देन करने हेतु अपनी शाखा से जुड़े रहने के लिए मोबाइल फोन वाले ग्राहकों को सक्षम बनाने हेतु वर्तमान में 38 केन्द्रों में से 87 शाखाओं में मोबाइल बैंकिंग उपलब्ध कराई गई है. पहले चरण में, 3 सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही है जैसे कि जमाशेष की पूछताछ, चेक की स्थिति एवं अंतिम 3 लेन-देन वाली खातों की लघु विवरण.

11.2035 देना बिलपे

देना बिलपे को बिलडेस्क की शक्ति प्राप्त है. बिल डेस्क जरूरी बिलों के भुगतान के लिए एक सुप्रसिद्ध सेवा प्रदाता है जो कतार में खड़े होने के झंझट अथवा नकद / चेक के माध्यम से भुगतान करने के बिना ही ग्राहकों को उनके जरूरी बिलों यानी टेलीफोन बिल, मोबाइल बिल, बिजली बिल इत्यादि का भुगतान उनके खातों से तीन आसान तरीकों अर्थात (क) ऑटो पे, (ख) viz. Mobile Pre-paid Top-up and Post-paid Bill Payment etc. Bank's customers are also facilitated to pay taxes through Internet. The Bank had a card base of 4.76 lacs as at the end of March 07.

11.203 Network based Services & Applications

The Bank has set up its own network named as "DENANET" using 521 Leased Lines, 226 ISDN lines, 121 VSATs and 615 Dial-up lines connecting 1006 branches and 34 administrative offices. The network is continuously monitored on 24 x 7 basis by a facility management team for ensuring above 99% uptime.

DENANET is the backbone of communication infrastructure used for modern age technology driven Banking Operations. A number of applications / facilities have been made operational through the use of the network, as under:

11.2031 Any Branch Banking & Multi-City Cheque Facility

The facility has been introduced at 142 branches across 50 centres that enables customers of one branch to transact business like cash withdrawal, cash deposit, funds transfer and Cash Management service etc. from other branches. Multi City Cheque facility has also been launched as an add-on function under Any Branch Banking for the benefit of our customers.

11.2032 Remote Support

DENANET capabilities are being used for the purpose of troubleshooting from a remote location thus utilising the skilled manpower more efficiently in assisting the field level staff.

11.2033 RTGS / NEFT

Bank is actively participating in PDO-NDS application system and Inter-bank fund transfer and customer transactions through Real Time Gross Settlement (RTGS) at 135 branches.

11.2034 M-banking

Mobile Banking facility is extended through 87 branches of the Bank across 38 centers, to enable the customers with mobile phones to remain connected with their branch to access their accounts. In the first phase, 3 services are being provided viz. Balance enquiry, Cheque status and Mini statement of accounts with last 3 transactions.

11.2035 Dena BillPay

Dena BillPay is powered by BILL DESK, a renowned service provider for utility bill payments enabling customers to pay their utility bills viz. Telephone bills, Mobile bills, Electricity bills etc. through three convenient payment modes viz. (a) Auto Pay, (b) Phone Pay and (c) Internet, from their accounts thus obviating the botheration to stand in a queue or paying through cash

फोन पे एवं (ग) इंटरनेट से करने में समर्थ बनाता है. मुंबई में उपलब्ध यह सुविधा अब अहमदाबाद, बेंगलूर, चेन्नै और नई दिल्ली की शाखाओं में भी उपलब्ध करा दी गई है.

11.2036 इंटरनेट बैंकिग

इंटरनेट बैंकिंग 40 केन्द्रों में फैली 64 शाखाओं में उपलब्ध है जो इंटरनेट सुविधा रखने वाले ग्राहक को अपने खातों की स्थिति की जानकारी (क) जमाशेष की पूछताछ, (ख) चेक की स्थिति एवं (ग) अंतिम 10 लेन-देन सहित खातों की लघु विवरण के रूप में लेने के लिए उन्हें सक्षम बनाता है.

11.2037 देना ई-टैक्स पे

बैंक ने इंटरनेट बैंकिंग डिलीवरी चैनल के माध्यम से केन्द्रीय उत्पाद व सेवा कर के ऑन लाइन भुगतान की सुविधा हेतु **''देना ई-टैक्स पे''** आरंभ की. बैंक के ग्राहक केन्द्रीय उत्पाद व सेवा कर की किसी भी राशि का भुगतान कर सकते हैं. वर्ष के अंत तक यह सेवा 88 शाखाओं में उपलब्ध थी और यह जल्दी ही देश की और अधिक शाखाओं में उपलब्ध करा दी जाएगी.

सरकार की ओर से प्रभावशाली संग्रहण / रिपोर्टिंग करने और संग्रहण की निगरानी करने के लिए बैंक ने 'ईएएसआईईएसटी' (इजिएस्ट) के अंतर्गत एक सेंट्रल सर्वर एवं अप्रत्यक्ष कर संग्रहण की स्थापना की है जो कि वर्ष के दौरान सर्वर में पहले से ही डाल दिया गया है. सरकारी कारोबार के सारे हिस्सों को इस सर्वर में डाल देने की बैंक की योजना है ताकि सरकार एवं मूल्यांकक के प्रति बैंक की सेवा में सार्थक रूप से सुधार हो सके.

11.2038 आँकड़ा अंतरण

निर्णय को प्रभावशाली एवं अद्यतन सूचनाओं से युक्त बनाने के लिए सही और समयानुसार 'प्रबंधन सूचना प्रणाली' महत्त्वपूर्ण है. इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, अग्रिमों, लेखा परीक्षा पुस्तिका, साप्ताहिक सूचना विवरणी तथा शाखाओं से क्षेत्रीय कार्यालयों और फिर कार्पोरेट कार्यालय की अन्य प्रबंधन सूचना प्रणाली से संबंधित आँकड़ों के अंतरण के लिए नेटवर्क 'देनानेट' का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है. नोडल शाखाओं एवं संपर्क शाखा के द्वारा विभिन्न शाखाओं से भारतीय रिजर्व बैंक को प्रत्यक्ष / अप्रत्यक्ष करों से संबंधित आँकड़ों के इलेक्ट्रॉनिक प्रेषण के सरकारी अनुबंध का अनुपालन करने में भी देनानेट ने बैंक को सक्षम बनाया है.

11.2039 कार्पोरेट ई-मेल

संचार / सूचनाओं के सहज व त्वरित प्रवाह के लिए पूरे बैंक मे¸ हर स्तर पर, 1200 से अधिक प्रयोक्ता कार्पोरेट ई-मेल का प्रयोग कर रहे हैं.

11.204 बैंक की वेबसाइट :

ग्राहकों, स्टाफ और शेयरधारकों द्वारा बैंक की पुर्नसज्जित वेबसाइट की व्यापक रूप से सराहना की गई है. ग्राहकों से संवाद स्थापित करने, सूचनाओं का प्रचार करने और बैंक के उत्पादों व सेवाओं का विपणन करने के लिए एक सहज अस्त्र के रूप में वेबसाइट का इस्तेमाल किया जा रहा है. बेहतर दिखने व महसूस करने सहित, इसमें अनेक ग्राहक-मैत्रीपूर्ण विशेषताएँ मौजूद हैं जैसे कि शाखा संकेतक, परिकलन यंत्र, दो-क्लिक वाली मार्गनिर्देशन प्रणाली इत्यादि. वेबमास्टर वेबसाइट को लगातार आधार पर अद्यतन एवं गतिशील

/ cheque. The facility that was earlier available at branches in Mumbai only has since been extended to Ahmedabad, Bangalore, Chennai & New Delhi centres.

11.2036 Internet Banking

Internet banking is available at 64 branches spread over 40 centres to enable a customer having internet facility to access their accounts status in the form of (a) Balance inquiry, (b) Cheque status and (c) Mini statement of accounts with last 10 transactions.

11.2037 Dena e-Tax-Pay

The Bank had introduced ***"Dena e-Tax-Pay",*** an On-line facility for Payment of Central Excise & Service Tax through Internet Banking delivery channel. Bank's customers are facilitated to pay any amount of Central Excise or Service Tax. The service had been made available at 88 branches of the Bank as at the end of the year and is envisaged to be extended to more branches across the country.

In order to have effective collection / reporting and monitoring of collections on behalf of Government, the Bank had installed a Central Server at its Corporate Office. Indirect Tax collections under 'EASIEST' had been made live through the Server during the year. The Bank plans to put in all segments of Government Business on this server, which will improve Bank's service to the Government and assessees significantly.

11.2038 Data Transfer

Accurate and timely MIS is important for making effective and well informed decisions. To achieve this objective, DENANET is extensively used for transfer of data relating to Advances, Audit Booklet, weekly information, returns and other MIS traversing different channels viz. branches, Regional Offices and then to Corporate Office. DENANET has also enabled the Bank to comply with Government stipulations of electronic transmission of data related to direct / indirect taxes from various branches to Reserve Bank of India through nodal branches and link branch.

11.2039 Corporate E-MAIL

Across the Bank, at various levels, more than 1200 users are using corporate e-mail for smooth and quick flow of communication / information.

11.204 Bank's Website

The Bank's revamped website has been widely appreciated by customers, staff and shareholders. The Website is being used as a handy tool to communicate with customers, to disseminate information and to market Bank's Products and Services. With an improved look & feel, it contains many customer friendly features like Branch Locators, Calculators, Two-click navigation system etc. The webmaster keeps the website updated and dynamic on an ongoing basis. Many new sections

बनाकर रखते हैं. व्यापक रूप से ग्राहकों / जनता के लाभ के लिए अनेक नए खण्ड जैसे कि शिकायत प्रपत्र, विविध प्रकार की नीतियाँ यानी जमा नीति, चेक संग्रहण नीति, सूचना अधिकार अधिनियम और कार्पोरेट अभिशासन शुरू किए गए हैं

12.000 जोखिम प्रबंधन :

बैंक ने जोखिम प्रबंधन पर निदेशकों की समिति द्वारा निरीक्षित संरचनाबद्ध जोखिम प्रबंधन प्रणाली और प्रभावी ढांचा को प्रस्तुत किया है. आस्ति देयताओं पर प्रबंधन स्तरीय समितियों, ऋण जोखिम प्रबंधन और परिचालनगत जोखिम प्रबंधन ने मुख्य जोखिम प्रबंधन प्रणाली के कोर स्तर को निर्मित किया है. बैंक ने परिचालनगत जोखिम घटकों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए सभी नियंत्रक कार्यालयों में जोखिम प्रबंधकों की भी पहचान की है और उनके लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की है.

वर्ष के दौरान, बैंक ने बासेल - II मानदंडों के अनुरूप एवं ऋण और बाजार जोखिमों को प्रभावकारी तरीके से व्यवस्थित करने की दृष्टि से जोखिम संबंधित अपनी नीतियों को आशोधित और अद्यतन किया है. बैंक ने विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक की व्यापक जोखिम रूपरेखा की एक प्रणाली भी आरंभ की है. बैंक की सभी संकटकालीन प्रक्रियाओं हेतु कारोबारी निरंतरता योजना को प्रतिपादित और कार्यान्वित करने के लिए बाहरी सहायता से कदम उठाए गए हैं.

बैंक के सामान्य कार्यालयों को मजबूत किया गया है और बाजार जोखिम की प्रभावी निगरानी करने के लिए इसके क्रियाकलाप अधिक व्यापक आधार पर बनाए गए हैं. उधारकर्ताओं के ऋण मूल्यांकन की जाँच के लिए एक प्रणाली आरंभ की गई और आस्ति गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित करने हेतु ऋण निगरानी प्रणाली को फिर से सरल व कारगर बनाया गया है.

उपक्रम व्यापक जोखिम प्रबंधन प्रणाली को प्रारंभ करने की दृष्टि से, बैंक ने अपने कोर बैंकिंग कार्यान्वयन के एक हिस्से के रूप में आस्ति देयता प्रबंधन एवं जोखिम प्रबंधन के लिए दो सॉफ्टवेयर प्रणालियों का भी इंतजाम कर लिया है. इन सॉफ्टवेयर प्रणालियों की कार्यान्वयन प्रक्रिया 2007-08 के दौरान पूरी की जाएगी.

13.000 मानव संसाधन विकास :

13.100 बैंक के कर्मचारी उसकी सबसे मूल्यवान सम्पत्ति है जिसे निरंतर प्रयासों से और मूल्यवान बनाया जा सकता है विश्वास को लेकर बैंक ने ग्राहकों हेतु अपने स्टाफ को मूल्यवान क्षमताओं से युक्त करने एवं कार्पोरेट लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उन्हें लगातार सीखने का अवसर देने के माध्यम से कौशल को उन्नत व प्रखर बनाने पर अपना ध्यान केन्द्रित किया.

13.101 विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों अर्थात् सूचना तकनीक, खज़ाना, विपणन व विक्रय, साख, कृषि इत्यादि में बैंक की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए बैंक ने वर्ष के दौरान 371 अधिकारियों की भर्ती की.

13.102 नेतृत्व कौशल को पुर्नशक्ति प्रदान करने की, दृष्टि से बैंक के उच्चाधिकारियों अर्थात् म.प्र. / उ.म.प्र. / क्षे.प्र. तथा स.म.प्र. को प्रमुख व्यवसायिक संस्थानों द्वारा संचालित विशिष्ट कार्यशालाओं में प्रतिनियुक्त किया गया.

13.103 वर्ष के दौरान, बैंक ने ऋण, ग्रामीण वित्तपोषण, खुदरा बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, खज़ाना, विपणन, सूचना तकनीक, प्रबंधन विकास, ग्राहक अभिमुखीकरण आदि के दबाव वाले क्षेत्रों में 4846 कर्मचारियों (अर्थात् viz. Complaint Form, various policies like Deposit Policy, Cheque Collection Policy, RTI and Corporate Governance etc. have been introduced on the web site, for the benefit of customers / public at large.

12.000 RISK MANAGEMENT

The Bank has put in place structured risk management systems & architecture that is overseen by a Committee of Directors on Risk Management. Management level Committees on Asset Liability (ALCO), Credit Risk Management and Operational Risk Management constituted the core level of focused risk management systems. The Bank also identified Risk Managers at all controlling offices to focus on operational risk factors and arranged for their training.

During the year, the Bank revised and updated its risk related Policies in line with the Basel II norms and with a view to manage credit and market risks in an effective manner. The Bank has also introduced a system of comprehensive risk profiling of the bank in line with regulatory guidelines. Steps to formulate and implement Business Continuity Plans for all critical processes of the Bank have been taken with external assistance.

Mid-Office of the Bank was strengthened and its functions were made broad based further for an effective monitoring of market risk. A system of verification of credit rating of borrowers was introduced and credit monitoring system was further streamlined for focused attention on improvement in asset quality.

With a view to introducing enterprise wide risk management system, the Bank also procured two software systems for Asset Liability Management and Risk Management as part of its Core Banking implementation. The implementation process for these software systems will be completed during 2007-08.

13.000 HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT

13.100 Human resource base is considered as one of the most valuable asset of the Bank, with potential for continuous appreciation in value. Rooted in this belief, Bank had focused on enhancement and sharpening of the skills by providing continuous learning opportunities to its staff enabling them to equip for value addition to the customers and achieving the corporate goals.

13.101 The Bank had inducted 371 new officers under various cadres, keeping in view Bank's requirement of specialised skills in the field of IT, Treasury, Marketing, Credit and Agriculture etc.

13.102 With a view to reinforce leadership skills, top rungs of the bank viz. GMs/DGMs/RMs and AGMs were deputed to exclusive workshops conducted by leading professionals on the domain.

13.103 During the year, the Bank had provided training to 4,846 employees (i.e. 3,482 Officers, 1,022 Clerks and 342 Subordinates) in thrust areas of Credit, Rural Banking, Retail Banking, Risk Management, Treasury,

3482 अधिकारी, 1022 लिपिक एवं 342 अधीनस्थ) को प्रशिक्षित किया. बैंक ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों की परीक्षा के लिए आवेदन करनेवाले अ.जा./ अ.ज.जा. उम्मीदवारों हेतु परीक्षापूर्व प्रशिक्षण का भी संचालन किया.

13.104 कौशल विकास के नवीनतम क्षेत्रों में विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने की दृष्टि से, साथ ही कार्यपालकों और अधिकारियों को व्यापक अनुभव के लिए बैंक भारत और विदेशों में सुस्थापित प्रबंधन संस्थानों और प्रशिक्षण संस्थानों के बाहरी प्रशिक्षण संसाधनों का भी इस्तेमाल करता है. वर्ष के दौरान, 320 कार्यपालकों / अधिकारियों को विभिन्न कार्यात्मक, प्रबंधनात्मक, संव्यवहारिक क्षेत्रों में एवं नेतृत्व के माध्यम से रूपांतरण में बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नियुक्त किया गया.

13.105 बैंक की स्टाफ की संख्या स्वाभाविक रिक्तीकरण एवं सेवानिवृत्ति के कारण 31 मार्च, 2006 के 10156 से घटकर वर्ष के अंत में 10120 हो गई. इस कुल क्षमता में 3624 अधिकारी, 4148 लिपिक और 2348 अधीनस्थ कर्मचारी और 1659 महिला कर्मचारी भी शामिल थी. बैंक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति के कर्मचारियों की संख्या निर्धारित स्तर के अनुरूप थी.

13.200 अजा / अजजा / अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों के लिए शिकायत निवारण पद्धति :

13.201 बैंक ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति हेतु आरक्षण नीति के कार्यान्वयन को देखने के लिए मुख्य संपर्क अधिकारी के रूप में महाप्रबंधक के संवर्ग के एक उच्च कार्यपालक को नामित किया है. समस्याओं / शिकायतों के निवारण हेतु प्रधान कार्यालय में आवधिक अंतरालों पर अखिल भारतीय देना बैंक अजा/अजजा/अपिव कर्मचारी महासंघ के साथ तिमाही बैठकें आयोजित की गईं.

13.300 औद्योगिक संबंध :

13.301 वर्ष के दौरान वृद्धि और विकास हेतु औद्योगिक संबंध अनुकूल रहा. औद्योगिक संबंध की दिशा में उठाए गए कदम के रूप में बैंक द्वारा कर्मचारियों की व्यक्तिगत शिकायतों पर ध्यान देने के लिए एक शिकायत निवारण पद्धति बनाई गई है.

14.000 ग्राहक सेवा

ग्राहक संतुष्टि में सुधार लाने के लिए बैंक ने केन्द्रित ग्राहक सेवा को बढ़ावा देने हेतु सार्थक प्रयास किए. वर्ष के दौरान, बैंक ने इस लक्ष्य हेतु निम्नलिखित उपाय करना जारी रखा :

14.100 शाखाओं को आई एस ओ 9001-2000 प्रमाणन

14.101 शाखाओं में उत्कृष्ट प्रबंधन प्रणाली को सुनिश्चित करने की दिशा में आई एस ओ 9001-2000 एक प्रगतिशील कदम है. यह कर्मचारी, उत्पादन तथा मुद्रा संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग को सुनिश्चित करता है जिसका परिणाम ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि के रूप में सामने आया है. वर्ष के दौरान 50 अतिरिक्त शाखाओं ने आईएसओ 9001 : 2000 प्रमाणन प्राप्त किया जिससे वर्ष के अंत में आईएसओ प्रमाणित शाखाओं की संख्या बढ़कर 225 हो गई.

14.200 ग्राहकों की शिकायतों का निवारण

14.201 ग्राहकों की शिकायतों का तुरन्त निवारण करने को बैंक उच्च प्राथमिकता देता है. बैंक के ग्राहक सीधे पत्र, ई-मेल अथवा बैंक की वेबसाइट

Marketing, Information Technology, Management Development, Customer Orientation, etc. The Bank had also conducted pre-examination training for SC/ST candidates appearing for Bank's Probationary Officers' examinations.

13.104 The Bank also utilizes external training resources from reputed Management Institutes and Training Institutions in India and abroad, with a view to providing specialized training in newer areas of skill development as also to provide wider exposure to executives and officers. During the year, 320 executives / officers were deputed for external training programmes in different functional, managerial, behavioural areas and Leadership, enroute to Transformation.

13.105 The staff strength of the Bank declined from 10,156 as on March 31, 2006 to 10,120 as at the end of the year due to natural depletion and retirements. The total strength, comprised of 3,624 Officers, 4,148 Clerks and 2,348 Subordinate staff, included 1659 women employees. The representation of Scheduled Castes, Scheduled Tribes employees in the Bank was in conformity with the prescribed level.

13.200 **Grievances Redressal Mechanism for SC / ST / OBC Employees**

13.201 The Bank has nominated a Top Executive in the rank of General Manager to officiate as Chief Liaison Officer to oversee implementation of Reservation Policy for Scheduled Caste and Scheduled Tribes. The quarterly meetings with All India Dena Bank SC/ST/OBC Employees' Federation were held at periodic intervals at Head Office to redress problems / grievances.

13.300 Industrial Relations

13.301 The Industrial Relations during the year remained congenial for growth and development. As part of the Industrial Relations initiative, a grievance redressal mechanism has been put in place by the Bank to address the grievances of individual employees.

14.000 CUSTOMER SERVICE

The Bank has concentrated on internalizing customer expectations and aspirations more intensely. During the year, the Bank had continued the following measures to improve customer satisfaction:

14.100 ISO 9001:2000 Certification of Branches

14.101 ISO 9001:2000 certification is a progressive step towards ensuring quality management system in the branches. It ensures optimum utilization of resources of man, material and money resulting in enhancement of customer satisfaction. 50 additional branches had obtained ISO 9001:2000 certification during the year, increasing the tally of ISO certified branches to 225 as at the end of the year.

14.200 Redressal of Customer Grievances

14.201 The Bank is according top priority to resolve customers' complaints/grievances promptly. The

के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं तथा अपने प्रश्न/पूछताछ/शिकायत यदि कोई हो तो कर सकते हैं.

14.300 ग्राहक सेवा की कार्यविधि एवं कार्य निष्पादन लेखा परीक्षा के संबंध में स्थायी समिति

14.301 ग्राहक सेवा में निरन्तर सुधार को प्रभावी करने के उद्देश्य से, बैंक ने ग्राहक सेवा पर एक स्थायी समिति का गठन किया है जिसके प्रधान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं.

14.302 इसके अतिरिक्त बैंक ने निदेशक मंडल के उच्च स्तर पर भी ग्राहक सेवा समिति का गठन किया है, जो ग्राहक सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने एवं ग्राहक संतुष्टि के स्तर को सुधारने के उपाय बताती है.

14.400 **ग्राहकों हेतु बैंक की प्रतिबद्धता की आचार संहिता**

14.401 सर्वोत्तम अभ्यास (कूट और मानक) को प्रतिबिम्बित करने के न्यूनतम मानदंड के विरुद्ध बैंकों के कार्य निष्पादन को आँकने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने भारतीय बैंकिंग कोड एवं मानक मंडल की स्थापना की है. बैंक ने ''ग्राहकों के लिए बैंकों की प्रतिबद्धताओं का कोड'' अपनाया है तथा वह इसके अनुपालन हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है.

14.402 हमारा बैंक भारतीय बैंकिंग कोड एवं मानक मंडल का सदस्य बन गया है और हमारा पंजीयन संख्या ''पीएस 037'' है एवं बैंक की ओर से महाप्रबंधक (संसाधन संग्रहण) को ''कोड अनुपालन अधिकारी'' के रूप में नियुक्त किया गया है.

15.000 आंतरिक नियंत्रण एवं सतर्कता

15.100 बैंक के पास निवारक सतर्कता के क्षेत्र में विशिष्ट दृष्टि के साथ विविध सतर्कता गतिविधियों पर नियंत्रण रखने, निगरानी तथा देख-रेख के लिए अपने कार्पोरेट कार्यालय में एक प्रभावपूर्ण सतर्कता व्यवस्था है, जिसने भारत सरकार, केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिदेशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित किया. अन्य बैंकों में घटित धोखाधड़ी की घटनाओं तथा उसकी कार्य प्रणाली के संबंध में भारतीय बैंक संघ से प्राप्त सूचना के आधार पर बरती गई सावधानी / निवारक सतर्कतापूर्ण उपायों से कर्मचारियों को परिपत्र अनुदेशों तथा दिशानिदेशों के माध्यम से अवगत कराया गया ताकि उन्हें सतर्क रखते हुए परिचालन के विविध क्षेत्रों में धोखाधड़ी से बचा जा सके.

15.101 कर्मचारियों में सतर्कता के प्रति जागरुकता को बढ़ाने तथा उसके प्रति उन्हें संवेदनशील बनाने के लिए नियमित प्रशिक्षण तथा शैक्षणिक कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं. बैंक में कारगर सतर्कता प्रशासन के लिए प्रणाली एवं कार्यविधियों को सुधारने हेतु लगातार भरसक प्रयास किए जाते हैं. बैंक का निदेशक मंडल प्रत्येक तिमाही में सतर्कता विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा करता है..

15.102 सतर्कता मशीनरी को मजबूत करने की दृष्टि से विविध परिचालन क्षेत्रों में बैंक के दिशानिदेशों पर जोर देते हुए प्रणाली एवं कार्य विधियों को सुधारने के लिए सतत् प्रयास किए जाते हैं. भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशों के अनुसार ''अपने ग्राहक को जानिए'' एवं बेनामी लेन-देन की रोकथाम के

customers of the Bank can correspond directly, through letters, e-mails or through the web-site of the Bank and pose their questions /queries /grievances, if any.

14.300 Standing Committee on Procedures & performance Audit of Customer Service

14.301 With an objective of effecting continuous improvement in the customer service, the Bank has constituted a Standing Committee on Customer Service, which is headed by the Chairman & Managing Director.

14.302 In addition to above, the Bank has formed Customer Service Committee of the Board at the apex level to advise measures for enhancing the quality of customer service and improving the level of customer satisfaction.

14.400 **Code of Bank's Commitments to the Customers:**

14.401 RBI has constituted Banking Codes and Standards Board of India for measuring the performance of banks against a bench mark reflecting the best practices (Codes & Standards). The Bank has adopted "Code of Bank's Commitments to the Customers" and is fully committed to its adherence.

14.402 The Bank became a member of BCSBI having registration number as "PS 037" and a top executive in the rank of General Manager had been appointed as the "Code Compliance Officer" on behalf of the Bank.

15.000 INTERNAL CONTROL AND VIGILANCE

15.100 Bank has an effective vigilance set-up in place at its Corporate Office for control, monitoring and supervision of various vigilance functions with specific focus in the area of preventive vigilance. Implementation of the instructions/guidelines on internal control and vigilance functioning issued by the Govt. of India, Central Vigilance Commission and Reserve Bank of India were ensured. The information received through Indian Banks' Association regarding the modus operandi and instances of fraud perpetrated at other banks, precautions/ preventive vigilance steps to be taken was also shared with the employees by way of circular instructions & guidelines on ongoing basis as a measure of continuous vigilance awareness to keep them vigilant and alert to avoid fraud in various areas of operation.

15.101 Regular trainings and educative workshops are also conducted to sensitise and improve the faculty of vigilance awareness in the employees. Continuous endeavours are made to improve the systems and procedures for an effective vigilance in the Bank. The functions of the department is also reviewed by Bank's Board on quarterly basis.

15.102 With a view to strengthen the vigilance machinery, constant efforts to improve the systems and procedures are made by reiterating the Bank's guidelines in various operational areas. As per the Reserve Bank of India directives, a policy framework on Know Your

उपायों के संबंध में बैंक के निदेशक मंडल द्वारा यथाअनुमोदित नीतिगत ढाँचे को प्रस्तुत किया गया. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर सूचित ''अपने ग्राहक को जानिए'' (केवाईसी) दिशानिदेशों तथा बेनामी लेन-देन की रोकथाम के उपायों (एएमएल) के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बैंक ने सभी उपाय किए हैं जिसमें मुख्य अधिकारी द्वारा किए गए लेन-देनों की निगरानी तथा रिपोर्टिंग शामिल है. इस प्रकार बैंक 'केवाईसी' का अनुपालक है.

15.103 केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा दिए गए निदेशों के अनुसार बैंक द्वारा मांगे गए समस्त गोदामों / क्रय संविदाओं तथा निविदाओं के कतिपय न्यूनतम मानदंड स्तर से अधिक होने पर उसे बैंक की वेबसाइट पर दर्शाया तथा अद्यतन किया जाता है ताकि संविदा प्रबंधन को अधिक पारदर्शी तथा प्रभावी बनाया जा सके.

15.104 देश भर में फैली हुई बैंक की विविध शाखाओं के कार्यों पर प्रभावी नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण रखने हेतु बैंक में आंतरिक प्रणाली पहले से ही मौजूद है. शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों तथा प्रधान कार्यालय के विभागों की लेखा परीक्षा के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिदेशों का अनुपालन करने हेतु निरीक्षण विभाग समय-समय पर आंतरिक निरीक्षकों तथा बाहरी सनदी लेखाकारों की फर्मों तथा सीआईएसए / डीआईएसए अर्हता प्राप्त सूचना प्रबंधन लेखा परीक्षकों आदि के द्वारा विविध प्रकार की लेखा परीक्षाएँ संचालित करता है, जिससे निर्धारित कार्यप्रणाली एवं कार्यविधियों का सख्त अनुपालन सुनिश्चित हो और त्रुटियों को समय पर रोका जा सके, यदि कोई हों. शाखाएँ तथा प्रशासनिक विभाग आकस्मिक लेखा परीक्षा के अलावा जब भी जरूरत हो, आंतरिक निरीक्षण, संग्रामी लेखा परीक्षा, प्रबंधन लेखा परीक्षा, सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा, राजस्व लेखा परीक्षा, स्वामित्व लेखा परीक्षा के अधीन है. ये गतिविधियां दस्तावेजों में दर्ज है. और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों से दिशानिर्देशित है.

15.105 भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को जोखिम आधारित आंतरिक लेखा-परीक्षा को अंगीकार करने के निर्देश दिए हैं जो बासेल-II के तहत एक अनिवार्य अपेक्षा है. बैक ने विविध जोखिम को कम करने आदि के सांकेतिक जोखिम को कम करने के उपायों सहित जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक प्रारूप तैयार किए गए है. शाखाओं का निरीक्षण करने वाले अधिकारियों को जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा पर फोकस परिवर्तन के लिए समुचित प्रशिक्षण दिया है. बैंक अपने आंतरिक प्रशिक्षित निरीक्षकों के साथ-साथ अनुभवी बाह्य नामावली में शामिल लेखा परीक्षकों द्वारा विविध शाखाओं में किए जा रहे नियमित निरीक्षण के साथ-साथ जोखिम आधारित लेखा परीक्षा का भी निर्वहन करता है. जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली को अंगीकार करने के परिप्रेक्ष्य में प्रयासों को एकीकृत करके बैंक ने परंपरागत निरीक्षण प्रणाली एवं जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा का सुरक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाया है. परंपरागत निरीक्षण प्रणाली से जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा में बदलाव की यह प्रक्रिया मार्च 2008 तक पूरी किए जाने की अपेक्षा है.

15.106 प्रणाली एवं नियंत्रण को और मजबूत करने के लिए बैंक ने निगरानी तंत्र को तेज कर दिया है. निगरानी के अलावा विविध शाखाओं में सांविधिक लेखा परीक्षा के माध्यम से क्षेत्रीय स्तरों पर आवधिक समीक्षा की भी विभाग द्वारा कार्पोरेट कार्यालय की निगरानी की जाती है. कार्य तथा कार्यविधियों के सख्त अनुपालन किए जाने पर विशेष ध्यान देने सहित अनुकूल दृष्टिकोण से बड़ी संख्या में शाखाओं के निरीक्षण निर्धारण में सुधार हुआ है. बैंक की

Customer (KYC) & Anti-Money Laundering Measures (AML) duly approved by the Bank's Board has been put in place. The Bank had taken all measures for effective implementation of KYC guidelines and AML on continuous basis as advised by RBI from time to time including monitoring and reporting of transactions through the Principal Officer. Bank is thus KYC compliant.

15.103 As per directives given by Central Vigilance Commission, all the stores / purchase contracts and Tenders floated by Bank beyond certain bench mark level are displayed and updated on Bank's Website to make Contract Management more transparent and effective.

15.104 The Bank has an in-built system of effective control and supervision of the functioning of its various branches scattered all over the country. In compliance with guidelines of RBI on audit of Branches, Regional Offices & Departments at Head Office, the Inspection Department is conducting various types of audits through internal inspectors, external Chartered Accountants firms and CISA / DISA qualified IS Auditors from time to time and ensures strict adherence to the laid down systems and procedures and timely plugging of loopholes, if any. The branches and administrative departments are subjected to internal Inspection, Concurrent Audit, Management Audit, Information Systems Audit, Revenue Audit and Propriety Audit apart from Snap Audit as and when required. These activities are well documented and guided by the policies approved by Board.

15.105 The RBI has directed all the Banks to adopt Risk Based Internal Audit (RBIA) which is an essential requirement under BASEL II accord. The Bank has initiated the efforts towards migration to RBIA. Necessary formats for RBIA with suggestive risk mitigants have since been devised. The officials inspecting the branches have been given adequate training for shifting focus to RBIA. The Bank had carried out RBIA of various branches along with regular inspection by internally trained inspectors as well as by the experienced empanelled external auditors. In its endeavors towards adherence to RBIA the Bank has adopted a proactive approach envisaging integration of conventional Inspection System and RBIA. The migration from conventional inspection approach to RBIA is expected to be completed by March 2008.

15.106 To further strengthen adherence to the systems and control, the Bank has geared up monitoring mechanism. Besides monitoring through concurrent audit at various branches, periodical review at regional levels is also monitored by the inspection department at Corporate Office. The strategic approach with special emphasis on strict adherence to systems and procedures has enabled improvement in the inspection ratings of large number of branches. The effective steps

वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2006-2007

परिचालनगत दक्षता एवं विनियामक मूल्य निर्धारण को सुधारने/में मदद करने हेतु निरीक्षण रिपोर्टों में बताई गई अनियमितताओं में निरन्तर सामयिक सुधार करते रहने के आधार पर प्रभावशाली कदम उठाए गये हैं.

16.000 विपणन

16.100 2006-07 का वर्ष विविध नए उत्पादों तथा कोर बैंकिंग समाधान शाखाओं को प्रारंभ करने हेतु उल्लेखनीय रहा. नए उत्पादों अर्थात देना सुपर प्रीमियम चालू खाता, देना गृहस्वामी सुरक्षा योजना, देना टैक्स शील्ड योजना, देना डबल डिपॉजिट योजना, बायोमेट्रिक्स एटीएम, कोर बैंकिंग, ई-टैक्स भुगतान के माध्यम से की गई पहलकदमियों को प्रेस द्वारा मीडिया और कवरेज में व्यापक प्रचार-प्रसार का भरपूर समर्थन दिया गया जिससे बैंक की ब्राण्ड इक्विटी मजबूत हुई. बैंक के खुदरा बैंकिंग उत्पादों, जमाराशियों एवं कृषि संबंधी उत्पादों को लोकप्रिय बनाने हेतु प्रचारक विज्ञापन भी जारी किए गए. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम द्वारा महत्वपूर्ण त्यौहारों पर बैंक के विज्ञापन प्रसारित किए गए. इसलिए बैंक किफायती लागत में अपनी दीर्घकालीन छवि बनाने में सक्षम रहा.

17.000 कार्पोरेट सेवाएं

17.100 बैंक भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड में "निर्गम के बैंकर" और "डिपाजिटरी प्रतिभागी" के रूप में पंजीकृत है.

17.101 बैंक अपनी सेवाएं विविध कार्पोरेट ग्राहकों को लाभांश/ब्याज वारंट/ धनवापसी आदेशों के भुगतान निर्गम के बैंकर के रूप में प्रदान करता है. बैंक विभिन्न कार्पोरेट ग्राहकों के लिए संग्राहक बैंक के रूप में भी कार्य करता है.

17.102 बैंक नेशनल सिक्योरीटिज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) का एक डिपॉजिटरी प्रतिभागी है तथा मुंबई में इसकी एक विशिष्ट पूंजी बाजार शाखा है. यह शाखा शेयर व प्रतिभूतियों के डीमेट / रिमेट से संबंधित विविध प्रकार की सेवाएं उपलब्ध करा रही है.

18.000 राजभाषा

18.100 बैंक ने राजभाषा -हिन्दी- को बढ़ाने में अग्रणी रहना जारी रखा.

18.101 वर्ष 2004-05 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित सभी बैंकों की द्विभाषिक श्रेणी में गृहपत्रिका प्रतियोगिता में हमारे बैंक की तिमाही गृहपत्रिका "देना ज्योति" को प्रथम पुरस्कार मिला. जीतने का यह सिलसिला वर्ष 2005-06 में भी जारी रहा तथा हमारी गृहपत्रिका "देना ज्योति" को इस श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ.

18.102 बैंक ने महाराष्ट्र राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (राजभाषा) पुणे द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया.

18.103 वड़ोदरा क्षेत्रीय कार्यालय को राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ जिसका वार्षिक मूल्यांकन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वड़ोदरा ने किया था. इसी समिति के तहत हमारी मंगल बाजार शाखा को शाखा में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन हेतु प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

taken are monitored on an ongoing basis for timely rectification of irregularities pointed out in the inspection reports to help/ improve the operational efficiency and regulatory rating of the Bank.

16.000 MARKETING

16.100 The year 2006-07 was marked with the launch of various new products and operationalisation of branches under Core Banking Solution. The initiatives through these new products viz. Dena Super Premium Current Account, Dena Grihswami Suraksha Yojana, Dena Maha Tax Bachat Yojna, Dena Double Deposit Scheme, Bio-metrics ATM, Core Banking and E-Tax Pay etc. were amply supported by wide publicity in media and coverage by the press, thereby strengthening bank's Brand Equity. Promotional Ads were also released for bank's various retail banking, deposits and agriculture related products. Bank's ads were telecast in electronic media during important festivals. The Bank was, therefore, able to attain considerable mileage in a cost effective manner.

17.000 CORPORATE SERVICES

17.100 The Bank is registered as 'Bankers to the issue' and 'Depository Participant' with Securities Exchange Board of India (SEBI).

17.101 As Bankers to the Issue, the Bank is extending its services for paying Dividend / Interest warrants / Refund orders to various corporate clients. The Bank is also working as Collecting Bank for various Corporate Clients.

17.102 The Bank is a Depository Participant of National Securities Depositary Limited (NSDL) and has specialized Capital Market Branch in Mumbai. This Branch is extending various types of services relating to Demat / Remat of shares & securities.

18.000 RAJBHASHA

18.100 The Bank continued to be in the forefront to promote the official language, Hindi.

18.101 In recognition of the efforts, Bank's quarterly House Journal (HJ) Dena Jyoti was awarded the First Prize in the bilingual category competition for 'All Banks House Journals' conducted by Reserve Bank of India for the year of 2004-05. The winning trend continued for the year 2005-06 as well with the Bank's HJ having been awarded 2nd prize in the same category.

18.102 The bank was awarded Third Prize in the competition conducted by Maharashtra state level Bankers' Committee (Rajbhasha), Pune.

18.103 Bank's Vadodara Regional Office won the First Prize for best implementation of official language in the annual assessment done by Bank's Town Official Language Implementation Committee (TOLIC), Vadodara. Bank's Mangal Bazar branch under the said Region was also felicitated with First Prize by the same body for best implementation of Official Language in the branch.

18.104 दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय को राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में विशिष्ट कार्यान्वयन के लिए बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दिल्ली द्वारा सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया.

18.105 बैंक ने राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया तथा शील्ड/ट्राफियाँ प्रदान करने/ नकद प्रोत्साहन देने आदि की अपनी नीति जारी रखी.

18.106 वर्ष के दौरान 123 हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें 704 अधिकारियों एवं 1110 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया. इसके अलावा कर्मचारियों को अपना कार्य हिन्दी में करने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए 229 डेस्क प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए. इन सुविधाओं का उपयोग हिन्दी माध्यम सें करने को प्रोत्साहित करने के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित किए गए.

18.107 बैंक द्वारा संस्थापित सभी एटीएमों में द्विभाषिकता उपलब्ध कराई गई है. बैंक ने अपने कोर बैंकिंग समाधान में भी द्विभाषीकरण के संबंधित प्रावधानों की उपलब्धता सुनिश्चित की है.

18.108 तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप बैंक ने क्षेत्रीय कार्यालयो के स्तर पर विविध प्रशासनिक कार्यालयों जैसे क्षेत्रीय कार्यालयों एवं कार्पोरेट कार्यालय में कम्प्यूटर आधारित द्विभाषी/बहुभाषी शब्द संसाधक तथा सीडी पर द्विभाषी शब्द कोष प्रदान किए है. सभी एटीएमों में द्विभाषिक सुविधा उपलब्ध करा दी गई है.

18.109 संसदीय राजभाषा समिति की तृतीय उप समिति ने दि. 14.09.2006 को हमारे प्रधान कार्यालय का निरीक्षण दौरा किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए बैंक द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर अपना संतोष व्यक्त किया. दैनिक बैंकिंग काम-काज में हिन्दी पत्राचार में वृद्धि के लिए किए जा रहे निरन्तर प्रयासों के साथ सभी/तीनों भाषिक क्षेत्र भारत सरकार द्वारा निर्धारित हिन्दी पत्राचार लक्ष्यों के करीब हैं.

19.000 अवसर एवं चुनौतियां

ब्याज दरों में उत्तरोत्तर वृद्धि चिंता का मुख्य विषय बनी रही. बैंक ने निरंतर आस्ति एवं देयताओं के ब्याज दर की समीक्षा की परन्तु इस ब्याज दर परिवर्तन का कुछ प्रभाव निवल ब्याज मार्जिन पर हुआ. इसके अतिरिक्त, दबावग्रस्त नकदी तरलता एवं अत्यधिक कठिन प्रतिस्पर्धा की भी चुनौती रही. तथापि भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, मजबूती से सुधर रही लाभप्रदता तथा विभिन्न हाइब्रिड ऋण लिखत तैयार करने के अवसर की दृष्टि से बैंक को यह आशा है कि मार्च 2009 तक बासेल-II के लागू होने से चुनौती के रूप में पूंजीगत आवश्यकता की चिंता नही रहेगी.

किसी भी प्रकार के नकदी निधि अवरोध पर काबू पाने के लिए बैंक ने अपनी आस्ति देयता प्रबन्धन नीति में "नकदी निधि आकस्मिकता योजना" प्रस्तुत की है. गतिशील आधार पर नकदी तरलता की दैनिक समीक्षा के लिए प्रणालियाँ स्थापित की गई है.

क्रियान्वयन के दौरान, -एनआईएम- पर बढ़ता दबाव बैंक को अपना अधिकाधिक ध्यान शुल्क आधारित आय तथा जीवन एवं गैर जीवन बीमा,

18.104 Bank's Delhi Regional Office won the consolation prize for excellent implementation of official language by Delhi Banks' Town Official Language Implementation Committee.

18.105 The Bank continued to conduct special training programme to promote the use of Hindi and also continued with the policy of extending incentives like awarding shields / trophies and offering cash incentives etc.

18.106 During the year, 123 Hindi Workshop were conducted and 704 officers & 1110 other staff were trained. Further, 229 Desk Training Programmes were also conducted to impart practical training to the employees for doing the official work in Hindi.

18.107 Keeping pace with the technological changes, the bank has provided computer based bilingual / multilingual word processors and CDs of bilingual dictionaries to various administrative offices viz. Regional Offices and Corporate Office. The computer training programmes were also conducted to promote the use of these facilities through Hindi medium.

18.108 All the ATMs installed by the bank have been provided with bilingual access facilities. Bank has also ensured for relevant provisions of Bilingualisation in its Core Banking Solution.

18.109 The Third Sub-Committee of Parliament on Official Language visited bank's Corporate Office on 14-09-2006 and expressed its satisfaction over the efforts being made by the bank for implementation of Hindi. With constant efforts towards increased correspondence in Hindi in day to day banking functions, all the three lingual regions were fast approaching to the targets fixed for the same by Government of India.

19.000 OPPORTUNITIES AND THREATS

The main threat continues to be one of the northbound movements of interest rates. Though the Bank continuously reviews its interest rates on both assets and liabilities, some impact of these changes was likely to be felt on the Net Interest Margin (NIM). Tight liquidity conditions and intense competition were considered to be other possible threats. The Bank however does not perceive the capital requirements arising out of Basel II implementation by March 2009 as a threat, keeping in view the consistently improving profitability and avenues to raise various hybrid debt instruments as per RBI guidelines.

To overcome any likely liquidity constraints, the Bank has put in place a 'liquidity contingency plan' as per its Asset Liability Management Policy. Systems are in place for daily review of liquidity conditions on dynamic basis.

Pressure on NIM, in a way, throws up an opportunity for the Bank to focus more on fee based income and

म्युच्युअल फंड आदि उत्पादों के विपणन पर केन्द्रित करने का अवसर देता है. कोर बैंकिंग का चरणबद्ध कार्यान्वयन लागू होने से बैंक को ग्राहकोन्मुखी बनने और तकनीकी आधारित नए उत्पाद एवं सेवाएँ प्रदान करने में सहायता मिलने की अपेक्षा है.

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बासेल-।। के प्रावधानों के कार्यान्वयन की तैयारी की दिशा में बढ़ाए गए कदम के रूप में बैंक ने अधिक युक्तियुक्त आधार पर बैंक के ऋण और अग्रिमों की साख गुणवत्ता का पुर्नर्निधारण करने की प्रक्रिया शुरू की. अग्रिमों पर बैंक की प्रबंधन सूचना प्रणाली को मासिक रूप से अद्यतन करने की व्यवस्था लागू की गई है. पूर्व चेतावनी संकेतकों तथा तुरंत उपचारात्मक कार्रवाई की पहचान करने में बैंक की मदद करते हुए ये उपाय भविष्यगत ऋण प्रसार के लिए उपयोगी सूचनाएं उपलब्ध करायेंगे.

बैंक की निगाह मुख्य केन्द्र बिन्दु के क्षेत्रों के रूप में निर्माण, एसएमई और कृषि है, जिनमें भविष्य की प्रगति विद्यमान हैं. ये क्षेत्र बेहतर प्रतिफल, गैर निष्पादक आस्तियों की कम घटनाओं और न्यून पूंजी अपेक्षाओं का दावा रखते हैं. बैंक अर्थव्यवस्था के उत्पादकीय क्षेत्रों को सहज ऋण प्रवाह को सुनिश्चित करने हेतु भी कृतसंकल्प है.

20.000 नए उत्पाद

20.100 देना महा टैक्स बचत योजना :

आयकर अधिनियम की धारा 80सी के दायरे में बैंक की विशेष मियादी जमा में निवेशों को आकर्षित करने के लिए वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार की गई "बैंक मियादी जमा योजना 2006" की तर्ज पर देना महा टैक्स बचत योजना नामक एक नई जमा योजना की रूप रेखा बनाई गई है. जमा करने की न्यूनतम राशि रु. 100 तथा उसके गुणज में है बशर्ते 5 वर्षों की परिपक्वता अवधि हेतु उसकी समग्र उच्चतम सीमा रु. 1,00,000/- हो. यह योजना वैयक्तिकों अथवा अविभाजित हिन्दू परिवार के लिए खुली है.

20.200 देना डबल डिपॉजिट योजना :

घरेलू बचतकर्ताओं को आकर्षित करने एवं मूल्यवान खुदरा दीर्घकालीन निधियों को पाने के उद्देश्य से अच्छी वापसी के साथ सुरक्षा व नकदी तरलता के तत्वों का समावेश करते हुए "देना डबल डिपॉजिट योजना" 20 नवम्बर 2006 से 31 मार्च 2007 तक की सीमित अवधि के लिए लागू की गई थी. योजना की प्रमुख विशेषता थी-जनसाधारण के लिए 8 वर्ष व 9 महीनें तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8 वर्ष व 3 महीनें की निश्चित परिपक्वता अवधि में निवेश को दुगना करने का अवसर प्रदान करना.

20.300 देना सूपर प्रीमियम चालू खाता :

"देना सूपर प्रीमियम चालू खाता" चालू खाता का ही एक नवोन्मषी रूप है किन्तु कुछ अतिरिक्त लाभ के साथ उपलब्ध है. यह योजना चालू खाते में पड़े रु. 2,00,000/- से अधिक की जमाराशि को रु. 5000/- के गुणज में समाविष्ट करने और बाहर निकालने तथा उसको 90 दिनों की अधिकतम अवधि के लिए मियादी जमा में बदलने की सुविधा प्रदान करती है. यह योजना एचएनआई / व्यापारियों व कार्पोरेटरों को आकर्षित करने के लिए अनेक नि:शुल्क सेवाओं का प्रस्ताव देती है. यह योजना ग्राहकों को उनके खाते में पड़ी अधिशेष निधियों पर अतिरिक्त प्रतिफल की कमाई करने का अवसर देने सहित उन्हें बहुमूल्य प्रस्ताव देती है.

20.400 देना लक्ष्मी गोल्ड डिपॉजिट योजना :

बाजार में चल रहे अन्य बैंक-उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धी के रूप में टिके रहने

marketing of products like life and non-life insurance, mutual funds etc. The phased implementation of core banking is also expected to give a greater fillip to better customer orientation and introduction of more techno savvy products and services.

As a step towards preparedness for implementation for Basel II covenants as per RBI guidelines, the Bank had initiated the process to reassess the credit quality of the Bank's loans and advances on a more rational basis. A system of monthly updates to the bank's MIS system on advances has been introduced. While helping the Bank for identification of early warning signals and prompt remedial action, these measures will provide useful inputs for future credit exposures.

The Bank looks at Manufacturing, SME and agriculture as main focal areas that hold promise for future. These sectors hold the promise of better returns, lower incidence of NPAs and reduced capital requirements. The Bank is also committed to ensure smoother flow of credit to productive sectors of the economy,

20.000 NEW PRODUCTS

20.100 Dena Maha Tax Bachat Yojana

A new deposit scheme in the name of 'Dena Maha Tax Bachat Yojana' was designed on the lines of the 'Bank Term Deposit Scheme, 2006' formulated by the Ministry of Finance, GoI, to attract investments under the purview of Section 80C of the Income Tax Act. The minimum amount of deposit is Rs.100/- and in multiples thereof subject to the overall ceiling of Rs.1,00,000/- for a fixed maturity period of 5 years. The scheme is open to individuals or Hindu Undivided Family [HUF].

20.200 Dena Double Deposit Scheme

"Dena Double Deposit Scheme" was introduced for a limited period from 20th November, 2006 to 31st March, 2007 combined with the elements of Safety and Liquidity with good Returns, so as to attract household savers & tap precious retail long-term funds. The salient feature of the scheme was to provide the depositor an opportunity to double the investment in a fixed maturity period i.e. 8 years & 9 months for the general public, and 8 years & 3 months for Senior Citizens.

20.300 Dena Super Premium Current Account

'Dena Super Premium Current Account' is an innovative variant of the Current Account, with value addition. The scheme enables the facility of Sweep-Out and Sweep-In of the deposits lying in current account, in excess of Rs. 2,00,000/- in multiples of Rs 5,000/- and converting the same into fixed deposits for a maximum period of 90 days. The scheme also offers several freebies to attract HNIs/Traders & Corporates. The scheme offers great value to customers with an opportunity to earn extra returns on surplus funds lying in their accounts.

20.400 Denalaxmi Gold Deposit Scheme

With a view to remain competitive with other players in

वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2006-2007

के लिए एवं लघु व मध्य अवधि वाली मियादी जमाराशियाँ हासिल करने के उद्देश्य से बैंक ने 10 मार्च 2007 से 15 अप्रैल 2007 तक की सीमित अवधि के लिए "देना लक्ष्मी गोल्ड डिपॉजिट योजना" शुरू की थी. योजना में जमाकर्ता को 499 दिनों की निश्चित परिपक्वता अवधि से अधिक हेतु उनके निवेश पर उच्चतर ब्याज कमाने के अवसर देने का प्रस्ताव था. योजना को अब 14 जून 2007 तक लागू कर दिया गया है.

21.000 सूचना के अधिकार का अधिनियम, 2005 :

सूचना के अधिकार का अधिनियम 2005 के तहत भारत के नागरिकों से प्राप्त निवेदनों पर विचार करने हेतु बैंक ने राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी को नामित किया है. बैंक ने उसी तरह राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी के निर्णयों के विरूद्ध अपील करने हेतु अपीलीय प्राधिकारी नामित किया है जो कि राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी की श्रेणी से वरिष्ठ है ।

वर्ष के दौरान बैंक को सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत 190 आवेदन प्राप्त हुए. आवेदनों का नियमानुसार उत्तर दिया गया. उक्त अधिनियम के तहत वर्ष के दौरान प्राप्त सभी 23 अपीलों का अपीलीय प्राधिकारी द्वारा निपटान किया गया.

22.000 दृष्टिकोण :

दृष्टि 2010 के द्वारा बैंक ने अपने मध्य अवधि उद्देश्यों को निर्धारित किया है जिनमें मुख्य रूप से बैंक अपने परिचालन के क्षेत्र में ग्राहकों की पहली पसंद का बैंक बनना चाहता है. बैंक आस्ति गुणवत्ता में सुधार एवं संसाधन आधार को और मजबूत बनाने पर अपना ध्यान केन्द्रित रखना जारी रखेगा ताकि कारोबार विकास के लिए अधिक से अधिक लाभार्जन करने में सक्षम बने. स्वर्ण व्यापार जैसी कम प्रचलित प्रवृत्तियों के साथ तृतीय पक्ष के उत्पादों की बिक्री के द्वारा शुल्क आधारित आय को तीव्रता से बढ़ाने पर और बल दिया जाएगा.

बैंक ने कॉर्पोरेट स्तर तथा अन्य स्तरों पर सहायता प्रदान करने वाली प्रणाली की पुर्नसंरचना सहित परिचालन इकाईयों की सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए और बैंक की स्थिति को मजबूत बनाने हेतु एक प्रयोगात्मक कार्रवाई आरंभ कर दी है. इस रणनीति का मुख्य लक्ष्य अपने समरूप बैंकों के उन्नत प्रदर्शन स्तरों की बराबरी तक पहुंचना है. वर्ष 2007-08 के दौरान इस अध्ययन के पूर्व होने तथा कार्यान्वित होने की अपेक्षा है.

23.000 निदेशक मंडल :

31 मार्च 2007 को बैंक के निदेशक मंडल में अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक तथा कार्यपालक निदेशक के रूप में दो पूर्णकालिक निदेशकों सहित अन्य निदेशक इस प्रकार हैं :-

- भारत सरकार द्वारा नामित एक निदेशक
- भारतीय रिजर्व बैंक से नामित एक निदेशक
- भारत सरकार से नामित एक सनदी लेखाकार निदेशक
- कामगारों का नामित एक निदेशक
- अधिकारियों का नामित एक निदेशक एवं
- शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित तीन निदेशक

the market, the Bank had introduced "Denalaxmi Gold Deposit Scheme", for a limited period from 10th March 2007 to 15th April 2007 with an objective to tap the Short and medium term deposits. The scheme offered the depositor an opportunity to earn higher interest for their investment over a fixed maturity period of 499 days. The scheme has since been extended till 14th June 2007.

21.000 RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005 (RTI)

Bank has designated State Public Information Officers and Central Public Information Officers for dealing with the requests received from the Citizens of India under RTI Act, 2005. Likewise, Bank has also designated an Appellate Authority who is senior in rank to the SPIOs & CPIOs for dealing with appeals filed against the decisions of the SPIOs/CPIOs.

The Bank had received 190 requests under RTI Act, 2005 during the year. Requests had duly been attended / replied to as per the norms. The Appellate Authority had disposed off all the 23 appeals received during the year, under the said Act.

22.000 OUTLOOK

Near to medium term objectives and goals are driven by the Bank's Vision 2010 that aims at emerging as a preferred Bank of customers' choice in its area of operations. The Bank has commissioned an exercise for repositioning itself, that includes restructuring the support systems at Corporate and other levels to ensure active handholding of the operating units. The strategy is mainly targeted towards improved performance levels at par with peer bank group. The study is expected to be completed and implemented during 2007-08.

The Bank shall continue to focus on further improvement in Asset Quality and building up the resource base in a cost effective manner so as to enable maximization of profits for sustained business growth. Emphasis would also be laid on augmenting fee based income through sale of third party products and exploring other untapped avenues viz. Gold Trading etc.

23.000 BOARD OF DIRECTORS

23.100 The Board of Directors of the Bank comprised of Chairman & Managing Director and Executive Director, both being whole-time Directors and other directors as under, as on 31st March 2007:

- One Nominee director from Government of India;
- One Nominee director of Reserve Bank of India;
- One Chartered Accountant Director, nominated by Government of India;
- One nominee director representing workmen staff;
- One nominee director representing officers' staff; and
- 3 Shareholders' elected Directors;

वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2006-2007

23.101 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम - 1970 की धारा 9 की उप धारा (3) के खण्ड (क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड(1) एवं खण्ड 3, उपखण्ड(1) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के बाद अधिसूचना एफ.सं.9/13/2005 बी.ओ.आई. दिनांक 17 मई, 2006 के माध्यम से श्री पी. एल. गैरोला को 17 मई, 2006 से उनके अधिवर्षिता पर पहुँचने की तारीख अर्थात 31.12.2008 या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, के लिए बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के रूप में नियुक्त किया है.

23.102 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम-1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड(क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड(1) एवं खण्ड 3, उपखण्ड (1) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के बाद अधिसूचना एफ.सं.9.11.2005 बी.ओ.आई. दिनांक 31 अक्तूबर 2006 के माध्यम से श्री आर.एल. बैनर्जी को अक्तूबर 2006 से अगले आदेश जारी होने तक बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है.

23.103 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम-1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड(क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड(1) एवं खण्ड 3, उपखण्ड(1) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के बात अधिसूचना एफ.सं.9.30.2004 बी.ओ.आई. दिनांक 14 दिसंबर 2006 के माध्यम से श्री ए. गोपालकृष्णन को दिनांक 14 दिसंबर, 2006 से तीन साल तक एवं या अगले आदेश जारी होने तक सनदी लेखाकार की श्रेणी में बैंक के अंश कालिक गैर सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया है.

23.104 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम-1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड(क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड(1) एवं खण्ड 3, उपखण्ड (1) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के बाद अधिसूचना एफ.सं. 9.2.2007 बी.ओ.आई. दिनांक 27 फरवरी 2007 के माध्यम से श्री चंद्र किशोर को 27 फरवरी 2007 से अगले आदेश जारी होने तक बैंक के निदेशक रूप में नियुक्त किया है.

23.105 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम-1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड(क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड(1)

23.101 The Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) vide notification F. No. 9/13/2005 – BO-I dated May 17, 2006 in terms of Clause (a) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub Clause (1) of Clause 3, Sub-clause (1) of clause 8 of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provision) Scheme, 1970, after consultation with Reserve Bank of India had appointed Shri P. L. Gairola as Chairman & Managing Director of the Bank with effect from the date of his taking charge of the post i.e. May 17, 2006 and upto 31.12.2008 i.e. the date of his superannuation or until further orders whichever is earlier;

23.102 The Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) vide notification F. No. 9/11/2005 – BO-I dated October 31, 2006 in terms of Clause (b) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub Clause (1) of Clause 3 of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provision) Scheme, 1970, had appointed Shri R. L. Banerjee, as Director of the Bank, w.e.f. October 31, 2006 and until further orders.

23.103 The Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) vide notification F. No. 9/30/2004 – BO-I dated December 14, 2006 in terms of Clause (g) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub Clause (b) of Clause 9(2) of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provision) Scheme, 1970, after consultation with Reserve Bank of India had appointed Shri A. Gopalakrishnan, as part time non official Director of the Bank under Chartered Accountant category, w.e.f. December 14, 2006 for a period of three years and/or until further orders;

23.104 The Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) vide notification F. No. 9/2/2007 – BO-I dated February 27, 2007 in terms of Clause (c) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (as emended vide Banking Companies (Acquisition and Transfer Undertaking) and Financial Institutions Laws (Amendment) Act, 2006, read with sub Clause (1) of Clause 3 of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provision) Scheme, 1970, had appointed Shri Chandra Kishore, as Director of the Bank, w.e.f. February 27, 2007 and until further orders;

23.105 The Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) vide notification F. No. 9/3/2005 – BO-I dated March 5, 2007 in terms of Clause (f) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub Clause (1) of

वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2006-2007

एवं खण्ड 3, उपखण्ड (1) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के बाद अधिसूचना एफ.सं. 9.3.2005 बीओआई दि. 5 मार्च, 2007 के माध्यम से श्री. विलास डी. पाटिल को 5 मार्च, 2007 से तीन वर्ष तक या उत्तराधिकारी नामित होने तक या बैंक में अधिकारी के रूप में रहने तक या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, के लिए बैंक के निदेशक मंडल में अधिकारी कर्मचारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया है. वे अधिकतम निरंतर 6 वर्षों तक ही इस पद पर रह सकेंगे.

23.106 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम-1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) एवं खण्ड 3, उपखण्ड (1) के अनुसार 25 अप्रैल, 2005 को नियुक्त निदेशक श्री सुदेश कुमार अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद 30 अक्टूबर, 2006 से बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक नही रहे. निदेशक मंडल श्री सुदेश कुमार द्वारा बैंक के निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान प्रदत्त मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए उनकी सराहना करता है.

23.107 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम-1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) एवं खण्ड 3, उपखण्ड (1) के अनुसार 31 मार्च, 2005 को नियुक्त निदेशक श्री यू.एस. पालीवाल अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद 26 फरवरी, 2007 से बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक नही रहे. निदेशक मंडल श्री. यू.एस. पालीवाल द्वारा बैंक के निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान प्रदत्त मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए उनकी सराहना करता है.

24.000 आभार :

24.100 निदेशकगण बैंक के अपने सम्मानित ग्राहकों, शेयरधारकों तथा शुभचिंतकों को बैंक की प्रगति में उन के महत्वपूर्ण योगदान के लिए अपना धन्यवाद व्यक्त करते हैं तथा भविष्य में उनके सतत समर्थन एवं सहयोग की अपेक्षा करते हैं.

23.101 भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त समयोचित सलाह, महत्वपूर्ण मार्गदर्श एवं समर्थन के लिए भी निदेशकगण हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं.

23.102 निदेशकगण उन वित्तीय संस्थाओं तथा सहयोगी बैंकों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने बैंक को सहयोग एवं समर्थन दिया है.

23.103 स्टॉफ सदस्यों के सभी स्तरों पर दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के प्रति भी निदेशकगण हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग के बिना बैंक द्वारा की गई प्रगति सम्भव नहीं होती. निदेशकगण त्वरित कारोबार विकास तथा बैंक की प्रगति में उनसे सतत् सहयोग की आशा रखते हैं.

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(पी.एल. गैरोला)
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

Clause (1) and (2)(a) of clause (9) of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provision) Scheme, 1970, had appointed Shri Vilas D. Patil, as Officer Employee Director on the Board of Directors of the Bank, w.e.f. March 5, 2007 for a period of three years or until his successor is nominated or until he ceases to be an officer of the Bank or until further orders whichever is the earlier, provided that he shall not hold office continuously for a period exceeding six years;

23.106 Shri Sudesh Kumar, Director, appointed under clause (b) of sub-section (3) of section 9 of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with sub-clause (1) of clause 3 of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 w.e.f. April 25, 2005, ceased to be a Director of the Bank from October 30, 2006. The Board of Directors places on record its appreciation for valuable guidance provided by Shri Sudesh Kumar, during his tenure as Director on the Board of the Bank.

23.107 Shri U. S. Paliwal, Director, appointed under clause (c) of sub-section (3) of Section 9 of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with sub-clause (1) of clause 3 of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 w.e.f. March 31, 2005 ceased to be a Director of the Bank from February 26, 2007. The Board of Directors places on record its appreciation for valuable guidance provided by Shri U. S. Paliwal, during his tenure as Director on the Board of the Bank.

24.000 ACKNOWLEDGEMENTS

24.100 The Directors express their sincere thanks to the Bank's valued customers, shareholders and well wishers for their valuable contribution to the progress of the Bank and seek their continued support and cooperation in future.

24.101 The Directors acknowledge with gratitude, the timely advice, valuable guidance and support received from Government of India and Reserve Bank of India.

24.102 The Directors are also thankful to the Financial Institutions / Banks and Correspondents for their cooperation and support to the Bank.

24.103 The Directors wish to place on record, the deep appreciation of the valuable contribution of the staff, at all levels, without which the progress achieved would have been unattainable. The Directors look forward to their continued cooperation in faster business development and the progress of the Bank.

For and on behalf of Board of Directors

(P. L. Gairola)
Chairman & Managing Director